RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम
स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 48 ता. 13 अगस्त 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

हर घर तिरंगा........पूरी तरह तिरंगे से पट गई कश्मीर की वादिया

तिरंगा रैलियों में बढ़चढ़कर हिस्सा ले रहे लोग

श्रीनगर । स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले कश्मीर घाटी में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत विभिन्न जिलों में तिरंगा रैलियां निकाली जा रही हैं, इसमें बड़ी संख्या में घाटी के लोग हिस्सा ले रहे हैं। इन तिरंगा रैलियों का आयोजन सरकारी स्तर पर हुआ ही साथ ही भाजपा ने भी इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया है। कुछ स्वयंसेवी संगठनों की ओर से भी तिरंगा रैलियां आयोजित की गयीं जोकि दर्शाता है कि हर कश्मीरी गर्व से और दिल से तिरंगा फहरा रहा है।बता दें कि इन तिरंगा रैलियों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि सबके मन में देशभक्ति की भावना प्रज्ज्वलित की जाए। इन तिरंगा रैलियों के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गौरव और सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया गया। सरकारी स्तर पर निकाली गयी तिरंगा रैलियों का पुलिस उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों सहित पुलिस तथा नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने नेतृत्व किया और सैंकड़ों लोगों ने इनमें भाग लिया। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप ऐसी रैलियां और अन्य कार्यक्रम जारी रहने वाले है। इस बीच, श्रीनगर में भाजपा पार्टी मुख्यालय से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बाइक पर तिरंगा रैली निकाली। भाजपा समर्थकों ने कहा कि हम देशभक्ति और देश प्रेम प्रदर्शित करने के लिए तिरंगा रैली का आयोजन करके खुश हैं।

अब अधिकारी गोद लेंगे स्कूल

लखनऊ। अब तक मंत्री सांसद और विधायक स्कूलों या गांवों को गोद लेते आए हैं। लेकिन अब योगी सरकार नई पहल की शुरुआत करने जा रही है। जिसमें अधिकारियों को भी विद्यालयों को गोद लेना होगा। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की दशा सुधारने के लिए निदेशालय और जिला स्तर पर ग्रुप ए के अधिकारी 6वीं क्लास से लेकर इंटरमीडिएट तक के एक-एक स्कूल को गोद लेंगे। जिन पर इन स्कूलों में सभी सुविधाओं को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होगी। इस पहल के माध्यम से स्कूलों की उनकी दशा बदलना और उन्हें मेंटेन रखना योगी सरकार का उद्देश्य है। इस संबंध में स्कूल शिक्षा महानिदेशक की ओर से संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखा गया है। जिसमें कहा गया है कि निदेशालय स्तर के अधिकारी निदेशालय या उसके आसपास, मंडल स्तर के अफसर मंडल और उसके आसपास और जिला स्तर के अधिकारी जिले के पास एक-एक स्कूल का चयन करेंगे। ये स्कूल ऐसे होंगे। जिनमें बुनियादी सुविधाएं पूरी की जानी हों। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

लोन नहीं चुका पाने पर अभिनेता राजपाल यादव की करोड़ों की संपत्ति सीज

शाहजहांपुर ।

उत्तर प्रदेश स्थित शाहजहांपुर निवासी बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। फिल्म अता-पता लापता के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया मुंबई की बांद्रा ब्रांच से लिए गए लोन को न चुका पाने के कारण राजपाल यादव की शाहजहांपुर में सेठ एंक्लेव स्थित करोड़ो की संपत्ति को बैंक ने सीज कर दिया है। दो दिन पहले मुंबई से सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के अधिकारी शाहजहांपुर पहुंचे थे और यहां आकर उन्होंने कार्रवाई शुरू कर दी थी। रविवार को उन्होंने इस प्रॉपर्टी पर बैंक का बैनर लगा दिया। इसमें लिखा था कि यह संपत्ति सेंट्रल बैंक आफ इंडिया मुंबई की है इस पर किसी तरह का कोई भी खरीद फरोख्त ना की जाए। सोमवार सुबह सेंट्रल बैंक आफ इंडिया मुंबई के अधिकारी इस प्रॉपर्टी पर पहुंचे और इसे सीज कर दिया। बता दें कि राजपाल यादव के पिता नौरंगी लाल यादव के नाम से मुंबई की सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की बांद्रा ब्रांच से एक बड़ा लोन लोन लिया था। इस लोन को न अदा कर पाने के कारण यह कार्रवाई की गई है।

कोच्चि एयरपोर्ट पर सोने के साथ एक यात्री को दबोचा

कोच्चि । अधिकारियों ने सोमवार को कोच्चि एयरपोर्ट पर एक यात्री को लगभग 500 ग्राम सोने के साथ पकड़ा है। दुबई के रास्ते दोहा से कोच्चि पहुंचे यात्री को कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एग्जिट गेट पर अधिकारियों ने रोका। जब यात्री की सघन तलाशी ली गई तो उसके पास 8 सोने की चेन बरामद की गई। यात्री ने सभी आठों सोने की चेन जूतों के तल के अंदर छिपाई हुई थी, जिनका कुल वजन 466.5 ग्राम है। बता दें कि अधिकारी अक्सर विदेशों से सोना ला रहे यात्रियों को पकड़ते हैं।

राजस्थान में बारिश ने मचाई तबाही

देखते ही देखते 25 लोग बह गए

जयपुर

राजस्थान में हुई मूसलाधार बारिश जमकर तबाही मची है। कई लोगों के घर गिर गए तो कई जगह वाहन भी बह गए। इससे भी ज्यादा दुखद ये हुआ कि 25 लोग देखते ही देखते बह गए। न उन्हे कोई पकड़ पाया और न ही सुरक्षित निकालने में कामयाब हो पाया।रविवार को जयपुर, भरतपुर, करौली और हिंडौन समेत कई इलाकों में हुई भारी बारिश के कारण 25 से ज्यादा लोग नदी, नालों और बांधों में बह गए। इससे उनकी मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज दौसा, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, सीकर, सवाई माधोपुर और टोंक में अतिभारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही 11 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। जयपुर समेत छह जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं।दर्जनों लोग जहां पानी में बह गए वहीं हजारों लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर जाने से करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया। जयपुर, करौली, भरतपुर और टोंक समेत छह जिलों में आज स्कूलों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। इन जिलों में जगह-जगह जलभराव होने के कारण रास्ते जाम हैं। बारिश को देखते हुए सूबे की सरकार अलर्ट मोड पर है। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कल आलाधिकारियों की अहम बैठक बुलाकर उन्हें हालात पर नजर रखने और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार आज जयपुर समेत सात जिलों में अति भारी बारिश की प्रबल संभावना है। वहीं अजमेर, अलवर, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, धौलपुर, झालवाड़, कोटा, चूरू और नागौर में भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों के लिए भारी बारिश का

येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के बीकानेर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में भी बारिश के आसार बने हुए हैं। रविवार को हुई बारिश से भरतपुर, हिंडौली, करौली और जयपुर में बाढ़ जैसे हालत बने हुए हैं। जयपुर में रविवार को दिनभर हुई बारिश के बाद रातभर रिमझिम चलती रही। सोमवार को सुबह फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया।मौसम विभाग के मुताबिक परिसंचरण तंत्र आज भी उत्तर पूर्वी राजस्थान के आसपास के क्षेत्र के ऊपर बना हुआ है। इसके अगले तीन-दिनों तक इसी स्थान पर बने रहने की संभावना है। इसके असर से पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अजमेर और कोटा संभाग के कई भागों में आगामी 5-6 दिन तक मानसून सक्रिय रहेगा। लिहाजा इन इलाकों में भारी से अति भारी बारिश होने के आसार हैं। अगले चार-पांच दिन के दौरान पश्चिमी राजस्थान में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

विश्व हाथी दिवस सामूहिक प्रयासों की सराहना करने का एक अवसर:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विश्व हाथी दिवस' पर देशवासियों को हाथियों की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।प्रधानमंत्री ने साथ ही देश में बढ़ रही हाथियों की संख्या को चिन्हित करते हुए हाथियों के देश में रहने के लिए सुरक्षित माहौल पर अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा, ÷हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं कि हाथियों को एक अनुकूल आवास मिले जहां वे पनप सकें।इसके अलावा उन्होंने हाथियों को देश के संस्कृति से जुड़ा हुआ बताते हुए कहा, ÷भारत में हमारे लिए हाथी हमारी संस्कृति और इतिहास से भी जुड़ा हुआ है। और यह खुशी की बात है कि पिछले कुछ वर्षों में, उनकी संख्या बढ़ रही है।बता दें, भारत में दुनिया भर के 60 फीसदी से ज्यादा हाथी पाए जाते हैं। दुनिया में हाथियों की तीन प्रजातियां पाई जाती हैं, उनमें से अफ्रीका में दो और एशिया में एक है। भारत के सबसे बड़े स्थलीय स्तनपायी होने का तमगा एशियाई हाथी (एलीफस मैक्सिमम) को प्राप्त है।'मिनिस्ट्री ऑफ एनवायरनमेंट, फॉरेस्ट और क्लाइमेट' चेंज के अनुसार भारत में दुनिया के 60त्न से ज़्यादा जंगली हाथी रहते हैं।भारत में, एशियाई हाथी मुख्य रूप से दक्षिणी और उत्तरी-पूर्वी भारत, पूर्व-मध्य और उत्तरी क्षेत्रों में पाए जाते हैं।इन विशालकाय जीवों को भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित किया गया है। हाथियों से जुड़ी प्राथमिक आवश्यकताओं से चिंतित, भारत सरकार ने 1991-92 में, वन और

जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में 'प्रोजेक्ट एलीफेंट' की शुरुआत की थी।

पीएम मोदी ने हाथियों के संरक्षण की प्रतिबद्धता जताई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा है कि विश्व हाथी दिवस हाथियों की रक्षा के लिए सामुदायिक प्रयासों की विस्तृत श्रृंखला की सराहना करने का एक अवसर है। हाथियों को एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जहां वे सुरक्षित रह सकें। मोदी ने कहा कि भारत में हाथी हमारी संस्कृति एवं इतिहास से भी जुड़े रहे हैं और यह खुशी की बात है कि पिछले कुछ वर्षों से उनकी संख्या बढ़ रही है। विश्व हाथी दिवस का लक्ष्य हाथियों के संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करना और जंगली तथा पालतू हाथियों के बेहतर संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए जानकारी और सकारात्मक समाधानों को साझा करना है।

चार दिन से जिन्हें ढूंढ रही थी सेना आज हो गया उनसे सामना, मुठभेड़ जारी

श्रीनगर, ।

जम्मू कश्मीर के उधमपुर में अ ातंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ उधमपुर जिले के बसंतगढ़ के खनेड़ इलाके में रविवार को हुई थी। अब यहां दोबारा मुठभेड़ शुरू हो गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों पर नजर रखी जा रही थी, जो चार दिन पहले खनेद इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी के बाद भाग गए थे ।सोमवार को फिर उग्रवादियों से संपर्क स्थापित हो गया। अभी तक गोलीबारी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारी ने कहा कि भागने के सभी रास्ते बंद करने के लिए और ज्यादा बल भेजा है। किश्तवाड़ और उधमपुर जिल ों के सुदूर वनक्षेत्रों में रविवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच दो मुठभेड़ हुईं थीं। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की आवाजाही की सूचना मिलने के बाद जब पुलिस ने सेना और अर्धसैनिक बलों की मदद से नौनट्टा, नागसेनी पेयास और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया तो दोनों पक्षों के बीच थोड़ी देर के लिए मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं और घने जंगल में भागे आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान शुरु कर दिया गया है।

मुंबई में गणेश पूजा के लिए पंडाल और मूर्तियों की तैयारी शुरू

मुंबई ।

इस वर्ष महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव होने हैं। चुनाव को देखते हुए राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और नेता भी इस बार गणेश उत्सव की तैयारी में जुट गए हैं। 7 सितंबर से गणेश उत्सव शुरू हो जाएगा। अभी से पंडाल और मूर्तियां बनाने का काम शुरू हो गया है। बड़ी-बड़ी विशालकाय मूर्तियां तो पहले ही तैयार कर ली गई है। आयोजकों द्वारा मूर्तियों को पंडाल लाया जा रहा है। आयोजकों को बड़े पैमाने पर इस बार चंदा भी मिल रहा है। मूर्तिकारों के पास इतनी जगह नहीं है,कि वह मूर्तियों को अपने पास रख सकें। रविवार से मुंबई के विभिन्न स्थानों में गणपति बप्पा का आना शुरू हो

गया है। महाराष्ट्र की सरकार इस बार नियमों को शिथिल किया है। 10 साल से जो पंडाल जहां बन रहे थे। वहां उन्हें ऑनलाइन मंजूरी देने का निर्णय लिया गया है। इस साल ऑनलाइन परमीशन देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन द्वारा नागरिकों को आसपास के तालाब और जो कृत्रिम तालाब निर्मित किया जा रहे हैं। उसकी जानकारी गूगल मैप के माध्यम से देने की व्यवस्था की है। ताकि लोग आसानी से आसपास के तालाबों में विसर्जन कर सकें। गणेश उत्सव के पंडालों के बाहर भी क्यू आर कोड लगाए जाएंगे। ताकि लोगों को आसानी से कृत्रिम तालाब में विसर्जन की जो व्यवस्था की गई है। उस स्थल का पता लग सके।

पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हमले विचलित करने वाले :प्रियंका गांधी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर लगातार हो रहे हमले विचलित करने वाले हैं। इस आशय की बात कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कही है। उन्होंने कहा है कि किसी भी सभ्य समाज में धर्म, जाति, भाषा या पहचान के आधार पर भेदभाव, हिंसा और हमले अस्वीकार्य हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़ने के साथ ही जो हिंसा शुरु हुई वह अंतरिम सरकार बन जाने के बाद भी रुक नहीं सकी है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे लगातार हमलों से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी विचलित हुई हैं और उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा है कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर लगातार हमलों की खबरें विचलित करने वाली हैं। वो कहते हैं कि किसी भी सभ्य समाज में धर्म, जाति, भाषा अथवा पहचान के आधार पर भेदभाव, हिंसा और हमले करना अस्वीकार्य हैं। इसके साथ ही उन्होंने स्थिति सुधरने की उम्मीद जाहिर करते हुए कहा, कि बांग्लादेश में जल्द हालात सामान्य होंगे ऐसी हमें उम्मीद है।

वहां की नवनिर्वाचित सरकार हिंदू, ईसाई और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के लिए सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करेगी।

गौरतलब है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे लगातार हमलों की देश और दुनियां में कड़ी निंदा हो रही है और स्थिति को सुधारने नई सरकार से मांग की जा रही है।

बांग्लादेश में भड़की हिंसा के पीछे महाशक्ति का हाथ : शेख हसीना

सेंट मार्टिन द्वीप हासिल करना चाहता है अमेरिका, राजदूत ने रची साजिश

▸▸ शेख हसीना ने कहा कि सेंट मार्टिन द्वीप अमेरिका को हासिल हो जाने से उसे बंगाल की खाड़ी पर अपना असर डालने में मदद मिलेगी। उन्होंने इसके साथ ही बांग्लादेश की जनता को कट्टरपंथियों के बहकावे में न आने की चेतावनी दी है।

नई दिल्ली, ।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अपने देश में जारी हिंसा के पीछे दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका का हाथ होने का शक जाहिर किया है। उन्होंने अपने करीबी लोगों को भेजे एक संदेश में कहा कि इस पूरी साजिश में अमेरिकी राजनयिक की भूमिका सबसे ज्यादा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अमेरिका पर सेंट मार्टिन द्वीप न सौंपने के कारण उन्हें सत्ता से बेदखल करने का आरोप लगाया है।शेख हसीना ने कहा कि सेंट मार्टिन द्वीप अमेरिका को हासिल हो जाने से उसे बंगाल की खाड़ी पर अपना असर डालने में मदद मिलेगी। उन्होंने इसके साथ ही बांग्लादेश की जनता को कट्टरपंथियों के बहकावे में न आने की चेतावनी दी है।

अपने करीबी सहयोगियों के जरिये भेजे संदेश में हसीना ने कहा कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया, ताकि मुझे लाशों का जुलूस न देखना पड़े। वे छात्रों की लाशों पर सत्ता में आना चाहते थे, लेकिन मैंने ऐसा नहीं होने दिया, मैंने पीएम पद से इस्तीफा दिया। मैं सत्ता में बनी रह सकती थी, लेकिन मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को छोड़ दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभाव रखने दिया होता तो मैं अपने देश के लोगों से विनती करती हूं कि कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं।

वहीं अवामी लीग के नेताओं ने ढाका में तख्ता पलट के लिए अमेरिका को दोषी ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मई में

ढाका का दौरा करने वाले एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक इसके लिए जिम्मेदार हैं। अवामी लीग के नेताओं में से एक ने कहा कि बांग्लादेश में अमेरिकी राजदूत पीटर हास ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का पक्ष लिया। पीटर हास का कार्यकाल जुलाई में खत्म हुआ था।

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने की हो रही साजिश

-हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर बीजेपी नेता रविशंकर ने किया पलटवार

नई दिल्ली, ।

हिंडनबर्ग की हाल ही में जारी रिपोर्ट पर बवाल मचा हुआ है जिसे लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। बीजेपी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को खारिज करते हुए इसे देश की अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने की साजिश बताया है। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर अमेरिकी बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस और विपक्ष को आड़े हाथों लिया। रविशंकर ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि तीसरी बार सत्ता से बेदखल होने के बाद कांग्रेस वाले टूलकिट का इस्तेमाल नहीं करेंगे लेकिन चुनाव में हारने के बाद अब कांग्रेस पार्टी देश में आर्थिक अराजकता फैलाना चाहती है। उन्होंने कहा कि ये रिपोर्ट भारतीय शेयर बाजार को नुकसान पहुंचाने की साजिश है। उन्होंने कहा कि आपने देखा होगा कि ये रिपोर्ट शनिवार को आई, जिसके बाद सोमवार को बाजार खुलते ही इसका असर दिखने लगा। उन्होंने कहा कि आरोपों का जवाब सेबी प्रमुख ने दे दिया, लेकिन हिंडनबर्ग वाले भारत विरोधी एजेंडा चलाते हैं।

रविशंकर ने कहा कि हिंडनबर्ग की पहली रिपोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया था।

इसको लेकर हिंडनबर्ग को नोटिस भी भेजा था लेकिन इस नोटिस का जवाब देने के बजाय हिंडनबर्ग ने फिर से आधारहीन आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले पर सेबी और सेबी प्रमुख ने भी स्पष्टीकरण दिया है लेकिन फिर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस हिंडनबर्ग में मुख्य निवेशक हैं। यह एक टूलकिट गैंग है और साजिश के तहत भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाई जा रही है। शेयर बाजार को अस्थिर किया जा रहा है। सोमवार को इस रिपोर्ट के बाद बाजार में क्या हुआ आप सबने देखा। रविशंकर ने कांग्रेस पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा कि आखिर कांग्रेस चाहती क्या है। कांग्रेस चाहती है कि भारत में कोई आर्थिक निवेश न हो। भारत की प्रगति को रोकने की साजिश रची जा रही है।

कांग्रेस पार्टी भारत को कमजोर और भारत की आर्थिक स्थिति को बिगड़ना चाहती है।

रविशंकर ने कहा कि मैं साफ करना चाहता हूं कि चमन उजड़ेगा नहीं और हम भारत को कमजोर नहीं होने देंगे।

बांग्लादेश मामले पर अखिलेश....उस देश का ही पुनरुत्थान हुआ

लखनऊ ।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने बांग्लादेश मामले पर प्रतिक्रिया दी है। सपा प्रमुख ने सोमवार को एक्स लिखा कि विश्व इतिहास गवाह है कि विभिन्न देशों में सत्ता के खिलाफ, तब समय की कसौटी पर, सही-गलत कारणों से हिंसक जन क्रांतियां, सैन्य तख्तापलट, सत्ता-विरोधी आंदोलन विभिन्न कारणों से होते रहे हैं। इसके बाद उस देश का ही पुनरुत्थान हुआ है, जिसके समाज ने अपने सत्ता-शून्यता के उस उथल-पुथल भरे समय में भी अपने देशवासियों की जान-माल व मान की रक्षा करने में जन्म, धर्म, विचारधारा, संख्या की बहुलता-अल्पता या किसी अन्य राजनीतिक विद्वेष या नकारात्मक, संकीर्ण सोच के आधार पर भेदभाव न करके सकारात्मक-बड़ी सोच के साथ सभी को एक-समान समझा और संरक्षित किया है।उन्होंने लिखा कि देश और देशवासियों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य होता है। सकारात्मक मानवीय सोच के आधार पर, एक व्यक्ति के रूप में हर निवासी-पड़ोसी की रक्षा करना भी हर सभ्य समाज का मानवीय-दायित्व होता है, फिर वह चाहे किसी काल-स्थान-परिस्थिति में कहीं पर भी हो। विशेष रूप से रेखांकित करने की एक बात इतिहास ये भी सिखाता है कि किसी और देश के राजनीतिक हालातों का इस्तेमाल जो सत्ता अपने देश में अंदर, अपनी सियासी मंसूबों को पूरा करने के लिए करती है, वहां देश को आंतरिक और बाह्य दोनों स्तर पर कमजोर करती है। जो सरकार तब मूक-दर्शक बनी रहेगी, वे ये मानकर चले कि ये उसकी विदेश नीति की नाकामी है कि उसके सभी दिशाओं के निकटस्थ देशों में परिस्थितियां न तो सामान्य हैं और न उसके अनुकूल। इसका मतलब है कि 'भू-राजनीतिक' नज़रिये से उसकी विदेश नीति में कहीं कोई भारी चूक हुई है। सांस्कृतिक-निकटस्थता के सूत्र से एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र को बांधकर आपसी समझबूझ और भाईचारे से ही विश्व के विभिन्न अशांत भू-खंडों में अमन-चैन लाया जा सकता है। सकारात्मक सोच से जन्मा सौहार्द एवं शांति ही मानवीय समृद्धि का मार्ग है।

वायनाड भूस्खलन : 150 लापता लोगों की तलाश जारी

वायनाड

वायनाड भूस्खलन त्रासदी के 14वें दिन सोमवार को 150 से अधिक लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है।राज्य में 30 जुलाई को आई प्राकृतिक आपदा में 416 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को डीएनए परीक्षण का पहला नतीजा आने की उम्मीद है। ये डीएनए उन मृतकों के हैं जिन्हें मेप्पाडी ग्राम परिषद में दफनाया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि हर एक कब्र को एक नंबर दिया गया है। डीएनए के नतीजे आने के बाद जीवित बचे लोग अपने प्रियजनों की पहचान कर सकेंगे। अधिकारियों ने कहा कि अगर पहचान के बाद उन्हें कोई और धार्मिक आयोजन या अनुष्ठान करने की जरूरत है, तो वे ऐसा कर सकते हैं।वहीं राहत शिविरों में और उनके आसपास बने विशेष काउंटर्स पर सभी बचे हुए लोग अपने खोए हुए दस्तावेजों के लिए आज आवेदन कर सकते हैं।100 से ज्यादा राहत शिविरों में 11 हजार से अधिक लोग रह रहे हैं। अधिकारियों ने वादा किया है कि वे लोगों को राहत शिविरों से उनके घरों और क्षेत्र के अन्य स्थानों पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। लगभग 250 बंद घरों की पहचान की गई है। अधिकारी राहत शिविरों में रह रहे लोगों को आवास आवंटित करेंगे।पिनराई विजयन सरकार ने पुनर्वास प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत मौजूदा कर्मचारियों की मदद के लिए विभिन्न विभागों से सरकारी अधिकारियों को वायनाड में तैनात करना शुरू कर दिया है। प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधिकारियों, विशेषकर परामर्शदाताओं को तैनात किया जा रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

शनिवार को वायनाड का दौरा किया था। पीएम मोदी ने स्थानीय लोगों और अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना था। पीएम ने उन्हें आश्वासन दिया था कि सरकार हर संभव तरीके से उनकी मदद करेगी।

उत्तरी सिक्किम को भारत से जोड़ने वाला इंद्राणी ब्रिज बनकर तैयार

गुवाहाटी

बाढ़ एवं बारिश में तबाह हुआ इंद्राणी ब्रिज फिर से तैयार हो चुका है। यह ब्रिज उत्तरी सिक्किम को बाकी भारत से जोड़ता है। इस ब्रिज का तैयार होना इंजीनियरिंग का एक नायाब उदाहरण है। पीडब्लूडी द्वारा तैयार किया गया इंद्राणी ब्रिज तीस्ता रिवर वैली में साल 2023 के फ्लैश फ्लड में पूरी तरह से बर्बाद हो गया था। सड़क नेटवर्क और कई अन्य ब्रिजों को पहुंचे भारी नुकसान के चलते सिक्किम का उत्तरी हिस्सा बाकी देश से पूरी तरह से कट गया था। हालात को देखते हुए सिक्किम सरकार ने सस्पेंशन बेली ब्रिजेज को तैयार करने का आदेश जारी किया। इसके बाद सर्वे हुआ और फिर एमओयू साइन हो गया।

अब यह ब्रिज बनकर तैयार है और आज इसका उद्घाटन होना है। इसने इंद्राणी ब्रिज साइट पर 300 फीट का बेली सस्पेंशन ब्रिज तैयार कर दिया। इनके समर्पण और इंजीनियरिंग विशेषज्ञता ने इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना के समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक स्थानीय अधिकारी ने कहा कि बीआरओ की गुणवत्ता और समय पर पूरा होने का कमिटमेंट इस प्रोजेक्ट में झलकता है। बीआरओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनकी इंजीनियरिंग उत्कृष्टता बुनियादी ढांचे के विकास में नए मानक स्थापित कर रही है। हम सिक्किम के लोगों को कनेक्टिविटी बहाल करने में उनके अथक प्रयासों के लिए आभारी हैं। नए बने इंद्राणी पुल का उद्घाटन 12 अगस्त को निर्धारित है। यह इस क्षेत्र के भविष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।यह प्रोजेक्ट न केवल सिक्किम के

उत्तर को फिर से जोड़ती है बल्कि क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ाने का भी रास्ता खोलती है। राहत आयुक्त ने कहा कि हम इस पुल से सिक्किम के लोगों पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को देखने के लिए उत्साहित हैं।

मनीष सिसोदिया 14 अगस्त को पदयात्रा कर लोगों से करेंगे मुलाकात

-विधायकों और पार्षदों से साथ भी करेंगे बैठक

नई दिल्ली, ।

आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया 14 अगस्त को पदयात्रा निकाल कर दिल्ली के लोगों से मुखातिब होंगे। इसकी जानकारी देते हुए आप सांसद संदीप पाठक ने कहा कि सोमवार को विधायकों के साथ बैठक की जाएगी। मंगलवार को पार्षद मनीष सिसोदिया से मिलेंगे। 14 अगस्त को मनीष सिसोदिया पदयात्रा निकालकर दिल्ली के लोगों से मुलाकात करेंगे। पाठक ने कहा कि देश की जनता के सामने यह बात स्पष्ट हो गई है कि बीजेपी और नरेंद्र मोदी का एकमात्र एजेंडा है आप पार्टी को रोकना, बाधित करना और तोड़ना है। ऐसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पार्टी मजबूत हुई है, अच्छा प्रदर्शन कर रही है और हर राज्य में आगे बढ़ रही है। पाठक ने कहा कि हम लोगों से मिलेंगे और दिल्ली के लिए कड़ी मेहनत करते रहेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी दिल्ली सरकार में पूर्व डिप्टी सीएम सिसोदिया को पद देने पर विचार कर रही है, पाठक ने कहा कि आने वाले समय में इस मामले पर बातचीत होगी और अरविंद केजरीवाल फैसला लेंगे। आगामी विधानसभा चुनावों के बारे में उन्होंने कहा कि हरियाणा में पूरी तैयारी चल रही है। अब तक 40-50 बैठकें की हैं, सभी प्रमुख नेता वहां जा रहे हैं। हरियाणा चुनाव एक बेहद रोमांचक चुनाव होगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सिसोदिया ने अपने घर पर आप के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक अहम बैठक बुलाई, जिसमें राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय, राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता और मंत्री आतिशी व सौरभ भारद्वाज शामिल थे।

बता दें दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। शनिवार को अपने संबोधन में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता से अत्याचार के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया था।

खुद छाता थाम पीएम मोदी ने जाना किसानों का हाल-चाल

-बातचीत के दौरान शुरु हो गई थी बारिश

नई दिल्ली, ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में 109 उच्च उपज बीज देने वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सशक्त बीजों की किस्में जारी करने के बाद किसानों से मुलाकात कर हाल-चाल जानने व उनसे बातचीत करने पहुंचे थे। इसी दौरान भारी बारिश शुरु हो गई। अधिकारियों ने पीएम मोदी से बातचीत खत्म करने का आग्रह किया, लेकिन पीएम ने बारिश के बावजूद किसानों से बातचीत जारी रखी। पीएम मोदी किसानों को बारिश से बचाते हुए खुद छाता थामे नजर आए।इस दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी वहां मौजूद थे। पीएम मोदी ने कृषि में अनुसंधान और नवाचार पर जोर दिया।उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री द्वारा दिए गए नारे जय जवान, जय किसान को याद किया और फिर अटल बिहारी वाजपेयी के नारे जय विज्ञान को भी याद किया।

किसानों से बातचीत करते हुए पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि इस नारे में जय अनुसंधान को भी जोड़ दिया है। इससे शोध और नवाचार को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलती है।पीएम मोदी ने कहा कि 109 नई फसल किस्मों का विमोचन कृषि में नवाचार पर उनके फोकस का ठोस परिणाम है, जो जमीनी स्तर पर शोध को जीवंत बनाता है।इस दौरान पीएम ने कहा कि किसान धरती माता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझ रहे हैं और स्वेच्छा से कीटनाशकों से दूर जा रहे हैं। प्राकृतिक खेती की ओर यह बदलाव बेहतर नतीजे दे रहा है।

पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती को तेजी से अपनाने से महत्वपूर्ण उपलब्धियां मिलने की उम्मीद है।

पीएम मोदी ने किसानों से पूछा कि क्या वे नई किस्म के बीजों का इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने किसानों को सुझाव दिया कि वे अपनी ज़मीन के एक छोटे से हिस्से या चार कोनों में नई किस्म का इस्तेमाल करें।

अपने प्रयोग के संतोषजनक नतीजे आने के बाद ही इसका इस्तेमाल करें। उन्होंने अपने तीसरे कार्यकाल में तीन गुनी गति से काम करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। पीएम मोदी ने इन नई फसल की किस्मों को किसानों को समर्पित करते हुए खुशी जताई है।

संक्षिप्त समाचार

21 अगस्त तक नहीं होगी पूजा की गिरफ्तारी......दिल्ली होईकोर्ट ने दी राहत

नई दिल्ली । दिल्ली होईकोर्ट ने पूर्व प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को 21 अगस्त तक गिरफ्तारी से राहत देकर दिल्ली पुलिस को अगली सुनवाई की तारीख तक उन्हें हिरासत में नहीं लेने का निर्देश दिया। खेडकर पर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को दिए गए अपने आवेदन में तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने और फर्जीवाड़ा करने का आरोप है। न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद ने अग्रिम जमानत की मांग करने वाली पूजा की याचिका पर सुनवाई कर आदेश जारी किया। 2023 बैच की आईएएस अधिकारी खेडकर पर अपना नाम, अपने पिता और माता के नाम, अपनी तस्वीर, हस्ताक्षर, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता बदलने सहित अपनी पहचान फर्जी बनाकर स्वीकार्य सीमा से अधिक धोखाधड़ी का लाभ उठाने का आरोप लगाया गया था। यूपीएससी ने उनके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया था, जिसके कारण 31 जुलाई को उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई थी। इसके पहले, दिल्ली की एक अदालत ने पूरी साजिश और अन्य लोगों की संभावित संलिप्तता को उजागर करने के लिए हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता का हवाला देकर खेडकर को अग्रिम जमानत देने से मना किया था। दिल्ली पुलिस ने दस्तावेज और सबूत इकट्ठा करते हुए जांच शुरू कर दी थी और उम्मीद की जा रही थी कि वह खेडकर को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजेगी।

चिकित्सा पद्धति 'इलेक्ट्रोपैथी' को बढ़ावा देगी हमारी सरकार : शर्मा

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर दूरगामी निर्णय ले रही है। सीएम शर्मा ने कहा कि इसी क्रम में राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में ही पारंपरिक चिकित्सा पद्धति 'इलेक्ट्रोपैथी' को बढ़ावा देने के लिए 'इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड' का गठन करने और इसके लिए प्रथम चरण में पांच करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है।

उन्होंने कहा कि बजट में 'इलेक्ट्रोपैथी' चिकित्सा के संबंध में परीक्षण कर नियम बनाने की महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई है। सीएम शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर 'इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों की आभार एवं अभिनंदन सभा को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही कई पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का केंद्र रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पद्धतियों में 'इलेक्ट्रोपैथी की विशेष महत्ता है और राज्य सरकार इस प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पद्धति में औषधीय पौधों के रस का उपयोग कर विभिन्न रोगों का प्रभावी रूप से इलाज होता है। राज्य सरकार इस पद्धति के विस्तार के लिए संकल्पित है।

भारी बारिश के चलते बालटाल मार्ग से जाने वाली अमरनाथ यात्रा रद्द

श्रीनगर, । अमरनाथ यात्रा रविवार को भारी बारिश के बाद रखरखाव कार्य के चलते बालटाल मार्ग पर स्थगित कर दी गई। एक अधिकारी ने बताया कि यात्रा के पहलगाम मार्ग पर जरुरी मरम्मत और रखरखाव कार्य पहले से ही किया जा रहा है। कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार भिदुरी ने कहा कि भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा के बालटाल मार्ग पर तत्काल मरम्मत और रखरखाव कार्य किए जाने की जरुरत है। यात्रियों की सुरक्षा के हित में सोमवार को भी बालटाल मार्ग से यात्रा की इजाजत नहीं दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि समय आने पर आगे की जानकारी दी जाएगी। बता दें इससे पहले रविवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में पंथा चौक बेस कैंप से कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना हुआ था। अमरनाथजी श्राइन बोर्ड द्वारा संचालित यह यात्रा दो मार्गों में विभाजित हो रही है। एक पहलगाम से और दूसरा कश्मीर के गंदेरबल जिले में बालटाल से।

फारूक अब्दुल्ला के सेना को लेकर दिए बयान को बीजेपी ने बताया अपमान

जम्मू, । भाजपा के नेता आरएस पठानिया ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता डॉ. फारूक अब्दुल्ला की निंदा करते हुए कहा कि उन्होंने सेना की कुर्बानी का अपमान किया है। पठानिया ने कहा कि भारतीय सेना ने देश की रक्षा और सीमाओं को हमेशा सुरक्षा प्रदान की है, लेकिन फारूक अब्दुल्ला द्वारा दिए गए बयान से सेना समेत पूरे देश का अपमान हुआ है।अब्दुल्ला ने अपने बयान में कहा था कि सैकड़ों की संख्या में ड्रग्स और उग्रवादी कहां से आ रहे हैं। उनके बयान पर बवाल के बाद उन्होंने माफी मांगने से भी इनकार कर दिया और तर्क दिया कि अगर घुसपैठ हो रही है, तो उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि बॉर्डर पर सेना की भारी तैनाती है, इसके बावजूद घुसपैठ और ड्रग्स की तस्करी हो रही है। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि सेना की भारी तैनाती के बावजूद यह कैसे संभव है? हमारी बर्बादी में सब मिले हुए हैं।

सबकी मिली भगत से होती है आतंकियों की घुसपैठ:फारुख अब्दुल्ला

जम्मू ।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस चीफ फारूक अब्दुल्ला के एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि आतंकियों की घुसपैठ सब।।।सबकी मिली भगत होती है। उन्होंने घुसपैठ के लिए आतंकियों और सुरक्षाबलों की कथित मिलीभगत को जिम्मेदार ठहराया है। इनके इस बयान से बवाल खड़ा हो गया है। डीजीपी आरआर स्वैन ने आपत्ति जताई है। बीजेपी ने भी फारूक अब्दुल्ला पर पलटवार किया है। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने कहा कि यह बयान बेहद अपमानजनक है। वहीं बीजेपी का कहना है कि फारूक अब्दुल्ला पहले भी इस तरह के आपत्तिजनक बयान दे चुकें है और उनकी आदत पड़ गई है। डीजीपी स्वैन ने कहा, उनको प्रतिक्रिया देना केवल समय खराब करना है। सुरक्षाबल और अर्द्धसैनिक बल, भारतीय सेना और पुलिस के 7 हजार जवानों की जान गई है। सुरक्षाबल मोर्चे पर होते हैं और वे देश के सबसे बड़े देशभक्त हैं। मैं इतना ही कह सकता हूं।फारूक अब्दुल्ला ने कहा, हमारी सीमाओं पर इतनी बड़ी संख्या में जनवानों की तैनाती के बाद भी आतंकी भारत में घुसपैठ करते हैं। सब-सब मिले हुए हैं हमारी बर्बादी के लिए। बता दें कि दो दिन पहले ही अनंतनाग में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में दो जवान शहीद हो गए थे। वहीं दो आतंकी भी ढेर कर दिए गए थे। बीजेपी के सीनियर नेता निर्मल सिंह ने कहा, फारूक अब्दुल्ला अकसर ऐसी मूर्खतापूर्ण बातें करते रहते हैं। उनके बायन को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। उनके बैकग्राउंड को समझना चाहिए। ये वही फारूक अब्दुल्ला हैं जिनका फोटो मकबूल भट के साथ है। भट अलगाववादी नेता थे जिसने कश्मीर में आम लोगों और सेना के जवानों पर हमला

करवाया था। उसने नेशनल लिबरेशन फ्रंट बनाया जिसे जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के नाम से भी जाना जाता है। सिंह ने कहा, फारूक अब्दुल्ला इस तरह की बातें इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उनके बेटे चुनाव में हार गए। बता दें कि बारामूला सीट से इस बार उमर अब्दुल्ला निर्दलीय प्रत्याशी इंजीनियर राशिद के सामने हार गए थे।

प्रार्थना की आड़ में हिंदुओं को बनाया जा रहा था ईसाई

मेरठ

हिंदुओं को ईसाई बनाने का खेल खुलेआम चल रहा था। स्थानीय लोगों की सूचना पर कंकरखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कुछ लोगों को अरेस्ट किया। यहां हर रविवार संडे प्रेयर होती है। संडे प्रेयर के नाम पर हिंदुओं का धर्मपरिवर्तन कराया जा रहा था। आरोप यह है कि गरीब हिंदुओं को बहला फुसलाकर ईसाई धर्म अपनाने को मजबूर किया जा रहा था। स्थानीय पार्षद रेनू सैनी और मनोज सैनी भी मौके पर पहुंचे। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। जिसके बाद अब उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।पुलिस अधिकारियों की माने तो धर्मांतरण के लिए मजबूर करना या फिर रुपयों का लालच देकर धर्मांतरण कराने जैसे आरोप लगे हैं। इन सभी आरोपों की जांच की जा रही है। अगर दोषी पाए गए तो आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई भी

होगी।जिले के कंकरखेड़ा के वार्ड 38 खडौली में जाटव मंदिर के पास का है। जहां एक घर में धर्म परिवर्तन करवाने का खुलासा हुआ है। जिसमें गांव के लोगों को बहला फुसलाकर बुलाया जाता था। इसके बाद यहां उनको सनातन धर्म से ईसाई धर्म मे परिवर्तन करने के लिए ब्रेनवाश किया जा रहा था। इसकी सूचना कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं को मिली, जिन्होंने पुलिस को भी सूचना दी। कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल कर डालें। जिसके बाद थाना कंकरखेड़ा की पुलिस मौके से 3 महिलाओं और 2 आदमियों को पकड़ कर ले गई।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल से बदला लेना नहीं आसान, मोसाद को लेकर आपस में ही बंट गया ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और शक्तिशाली इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) के कुछ कट्टरपंथियों के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। इस घटना ने तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या पर ईरान की प्रतिक्रिया के भविष्य को अधर में लटका दिया है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सरकार इस बात पर एकमत नहीं है कि हत्या के बाद इजरायल के खिलाफ कैसे जवाबी कार्रवाई की जाए। आईआरजीसी कथित तौर पर तेल अवीव और अन्य प्रमुख इजरायली शहरों पर सीधे और गंभीर मिसाइल हमले की वकालत कर रहा है। हालांकि, राष्ट्रपति पेजेशकियन इस आक्रामक रणनीति का विरोध कर रहे हैं। पेजेशकियन इजरायल के बाहर स्थित मोसाद के ठिकानों पर हमले की पैरवी कर रहे हैं। वह अज़रबैजान और कुर्दिस्तान में उनके ठिकानों पर हमला करना चाहते हैं। पेजेशकियन का तर्क है कि इससे इजरायल के साथ सीधी लड़ाई का जोखिम कम हो जाएगा। पेज़ेशकियन के एक करीबी सहयोगी ने द टेलीग्राफ को बताया, पेज़ेशकियन को डर है कि इजरायल पर किसी भी सीधे हमले के गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने अज़रबैजान और इराकी कुर्दिस्तान को उनकी सीमाओं के भीतर इजरायली ठिकानों पर किसी भी हमले से पहले सूचित करने का सुझाव दिया है। आईआरजीसी के एक अधिकारी ने द टेलीग्राफ को बताया कि उनका संगठन राष्ट्रपति के अधिक संयमित दृष्टिकोण को काफी हद तक खारिज करता है। द टेलीग्राफ ने अधिकारी के हवाले से कहा, सबसे बड़ी चिंता अभी भी हिजबुल्लाह और अन्य लोगों के साथ मिलकर तेल अवीव पर हमला करना है। आईआरजीसी के कुलीन कुद्स फोर्स के कमांडर इस्माइल कानी ने भी तत्काल और निर्णायक जवाबी कार्रवाई के लिए मजबूत समर्थन व्यक्त किया है।

यूक्रेन के डोनेट्स्क में शॉपिंग मॉल पर रूसी हमले में 4 की मौत, 24 घायल

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि शुक्रवार को डोनेट्स्क क्षेत्र में एक शॉपिंग मॉल पर रूसी हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि ज़ेलेंस्की ने टेलीग्राम पोस्ट में लिखा कि कोस्त्यंतिनिव्का शहर में घटनास्थल पर खोज और बचाव अभियान चल रहा है। लोकल गवर्नर वादिम फिलाशकिन ने कहा कि रूसी सेना ने बैरल आर्टिलरी से मॉल पर हमला किया। फिलाशकिन ने कहा कि पुलिस, बचाव दल और चिकित्साकर्मी हमले के स्थल पर काम कर रहे हैं। इससे पहले यूक्रेनी सेना ने गुरुवार रात रूसी हमले में शामिल सभी 27 लड़ाकू ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि उत्तरी, मध्य, दक्षिणी और पूर्वी यूक्रेन के सात क्षेत्रों में शाहेद-136 और शाहेद-131 ड्रोनों को गिराया गया। वायु रक्षा प्रणाली कीव क्षेत्र में काम कर रही थी, लेकिन क्षेत्र में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। साथ ही इससे किसी तरह की क्षति नहीं हुई। क्षेत्रीय गवर्नर सर्जी लिसाक ने कहा कि मध्य निप्रॉपेट्रोस क्षेत्र में दो ड्रोन नष्ट कर दिए गए। इससे पहले रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से बयान आया था कि यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसे रूसी सेना ने नाकाम कर दिया। मंत्रालय ने कहा था, रूसी सेना ने यूक्रेनी सेना के हमले को रोकने के लिए अपनी सीमा रक्षा इकाइयों को तैनात किया, और हवाई हमले, मिसाइल हमले तथा तोपखाने की मदद से यूक्रेनी सेना को आगे बढ़ने से रोका। शिन्हुआ की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुर्स्क में ज्यादा अंदर तक घुसने की अलग-अलग इकाइयों की कोशिशों को विफल कर दिया गया, और सुमी क्षेत्र में यूक्रेनी रिजर्व बलों के खिलाफ हवाई हमले किए गए।

मालदीव दौरे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर, मूसा जमीर के साथ की सुरक्षा-व्यापार सहयोग पर चर्चा

माले, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार शाम तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर मालदीव पहुंचे। यहां मालदीव के विदेश मंत्री जमीर ने वेलाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। माले में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने समकक्ष मूसा जमीर के साथ सुरक्षा, व्यापार और डिजिटल सहयोग पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से स्ट्रीट लाइटिंग, मानसिक स्वास्थ्य, बच्चों की स्पीच थेरेपी और विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में छह परियोजनाओं का उद्घाटन किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने शुक्रवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज माले में विदेश मंत्री मूसा जमीर के साथ सार्थक चर्चा हुई। इस एजेंडे में विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और डिजिटल सहयोग में हमारी भागीदारी शामिल थी। उन्होंने बताया कि मालदीव में डिजिटल भुगतान प्रणाली शुरू करने के लिए भारत के राष्ट्रीय भुगतान निगम और मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। अतिरिक्त 1000 सिविल सेवा अधिकारियों के प्रशिक्षण पर राष्ट्रीय सुशासन केंद्र और सिविल सेवा आयोग के बीच समझौता ज्ञापन के नवीनीकरण का स्वागत किया। विदेश मंत्री ने अपने आगमन के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मालदीव पहुंचकर खुशी हुई। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के लिए विदेश मंत्री मूसा जमीर का धन्यवाद।

गाजा में नमाज पढ़ रहे फिलिस्तीनियों पर इजरायल का हमला, 100 से अधिक लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा पर इजरायली हमला अभी भी जारी है। फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए के हवाले से रॉयटर्स ने बताया कि पूर्वी गाजा में विस्थापित लोगों के आवास वाले एक स्कूल को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमले में 100 से अधिक लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह हमला उस समय हुआ जब लोग नमाज़ अदा कर रहे थे।

हमास ने एक बयान में कहा, इजरायली हमलों ने फज्र की नमाज़ अदा करते समय विस्थापित लोगों को निशाना बनाया। इसके कारण हताहतों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई। आपको बता दें कि पिछले हफ्ते गाजा में चार स्कूलों पर हमला किए जाने के बाद ये किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा- नमाज पढ़ने के दौरान हुआ हमला : गाजा सिटी के अल- सहाबा इलाके के अल-तबैइन स्कूल को निशाना बनाया गया। गाजा के सरकारी मीडिया के अनुसार, इस्राइली हवाई हमले में शरणार्थियों को निशाना बनाया गया, जब लोग फज्र की नमाज पढ़ रहे थे। शुरुआत में कहा गया कि हमले में 40 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए। हालांकि बाद में मृतकों का आंकड़ा 100 के पार चला गया। इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा है कि उन्होंने हमास आतंकियों के एक कमांड सेंटर को निशाना बनाया है। इस्राइली सेना ने कहा कि आतंकी आम नागरिकों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। गौरतलब है कि बीते दिनों में इस्राइल ने गाजा और हमास नेताओं पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। कुछ दिनों पहले गोलन हाइट्स स्थित इस्राइल के कब्जे वाले इलाके में हिजबुल्ला के रॉकेट हमले में 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इस हमले के जवाब में इस्राइल ने हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर को बेरूत में ढेर कर दिया था। इसके 24 घंटे बाद ही ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की भी हत्या कर दी गई थी। इसका भी आरोप इस्राइल पर लगा। हानिया की हत्या के बाद ईरान और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया और ईरान ने इस्राइल पर हमले की धमकी दी है।

ताजा हमले से बढ़ सकता है पश्चिम एशिया का तनाव : हिजबुल्ला ने भी इस्राइल के खिलाफ हमले की धमकी दी है। अमेरिका ने भी इस्राइल की मदद के लिए पश्चिम एशिया में अपने युद्धपोत और लड़ाकू विमान की स्कवॉड्रन भेज दी है। इसी बीच अब गाजा में इस्राइली हमले में 100 से ज्यादा लोगों की मौत से यह तनाव और भड़क सकता है। इससे पहले 4 अगस्त को गाजा शहर में विस्थापित लोगों के लिए आश्रय के रूप में काम करने वाले दो स्कूलों पर इजरायली हमला हुआ, जिसमें 30 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। वहीं, गाजा शहर के हमामा स्कूल पर एक हमले में 17 लोग मारे गए। एक अगस्त को दलाल अल-मुगराबी स्कूल पर इजरायली हमले में 15 लोग मारे गए। आपको बता दें कि पिछले अक्टूबर में फिलिस्तीनी संगठन के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य हमला शुरू करने के बाद से इजरायल गाजा में स्कूलों सहित इमारतों पर हमले कर रहा है। इजरायल का दावा है कि परिसर के अंदर आतंकवादी हैं जो हमास कमांड कंट्रोल सेंटर से काम कर रहे हैं। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इजरायल पर घातक हमला करने के बाद शुरू हुए 10 महीने लंबे युद्ध में गाजा में 40,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। युद्ध से तबाह तटीय फिलिस्तीनी क्षेत्र में युद्ध विराम के लिए कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

संयुक्त राष्ट्र का बयानः हम नस्ली आधार पर होने वाले हमले और हिंसा भड़काने के खिलाफ

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हुए हमलों के बीच संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने नस्ली आधार पर होने वाली किसी भी हिंसा या हमले के खिलाफ अपने विचार व्यक्त किए हैं। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बृहस्पतिवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र यह सुनिश्चित करना चाहता है कि बांग्लादेश में हाल के दिनों में हुई हिंसा पर नियंत्रण पाया जाए। हम नस्लीय आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं।

बांग्लादेश में हाल की हिंसा के दौरान कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाया गया है और दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई है। यह हिंसा तब शुरू हुई जब प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दिया और देश छोड़कर भारत चली गईं। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने की प्रक्रिया पर संयुक्त राष्ट्र की आशा है। हम शांति बहाली के किसी भी संकेत को सकारात्मक मानते हैं। जब हक से पूछा गया कि क्या महासचिव गुतारेस ने यूनुस को बधाई दी है या उनसे फोन पर बात की है, तो उन्होंने कहा कि गुतारेस ने यूनुस से संपर्क नहीं किया है। हालांकि, बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र की स्थानीय समन्वयक ग्विन लुईस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। संयुक्त राष्ट्र की टीम सक्रिय रूप से यह सुनिश्चित कर रही है कि जमीन पर शांति बहाल हो। अंत में हक ने कहा कि बांग्लादेश में हुई हत्याओं की जांच में शामिल होने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने जो अनुरोध किया है।

डोनाल्ड ट्रंप की फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग से बाल-बाल बचे पूर्व राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से एक गंभीर स्थिति से बाल-बाल बच गए हैं। शनिवार सुबह, जब ट्रंप चुनावी रैली के लिए मोंटाना जा रहे थे, तभी उनके प्राइवेट जेट में तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते उड़ान के दौरान पायलट को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी, जिससे एयरपोर्ट और पुलिस अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया।

घटना बिलिंग्स लोगान इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुई। उड़ान के दौरान अचानक प्लेन में एक झटका महसूस किया गया। क्रू मेंबर्स ने जांच की तो पता चला कि इंजन में तकनीकी खराबी आई है। पायलट ने तत्परता दिखाते हुए नजदीकी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करवाई और उच्च अधिकारियों से अनुमति प्राप्त की। लैंडिंग के बाद, एयरपोर्ट स्टाफ और रेस्क्यू टीम ने पूर्व राष्ट्रपति को सुरक्षित रूप से प्लेन से उतारकर एक सुरक्षित क्षेत्र में पहुंचाया। जेनी मॉकल, बिलिंग्स लोगान इंटरनेशनल एयरपोर्ट की अधिकारी ने बताया कि प्लेन में आई तकनीकी खराबी की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति की जान को कोई खतरा नहीं है और वे अब सड़क मार्ग से मोंटाना के लिए रवाना हो चुके हैं। उनके प्लेन की तकनीकी खराबी को ठीक करने के प्रयास जारी हैं। यदि विमान की मरम्मत सफल होती है।

बांग्लादेश में भय की स्थिति में रह रहे हैं अल्पसंख्यक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई ओइक्या परिषद ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के 5 अगस्त को इस्तीफे के बाद से बांग्लादेश के 52 जिलों में अल्पसंख्यक समुदायों के उत्पीड़न की 205 घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं की संख्या रिपोर्ट की गई संख्या से कहीं अधिक होने की आशंका है। यह नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी देश की अंतरिम सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है।

यूनिटी काउंसिल के अध्यक्ष निर्मल रोसारियो ने द डेली स्टार के हवाले से कहा, हम सुरक्षा चाहते हैं क्योंकि हमारा जीवन विनाशकारी स्थिति में है। हम रात में जागकर अपने घरों और धार्मिक स्थलों की रखवाली कर रहे हैं। मैंने अपने जीवन में ऐसी घटनाएं कभी नहीं देखी हैं। हम मांग करते हैं कि सरकार देश में सांप्रदायिक सद्भाव बहाल करे। बांग्लादेशी अखबार ने विस्तार से बताया कि यूनुस को एक खुला पत्र भेजा गया है। इसमें ओइक्या परिषद ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ एक विशेष समूह की अभूतपूर्व हिंसा पर गहरा दुख और चिंता व्यक्त की है।

पत्र पर ओइक्या परिषद के महासचिव राणा दासगुप्ता और बांग्लादेश पूजा उडजापान परिषद के अध्यक्ष बासुदेव धर ने हस्ताक्षर किए हैं, जिन्होंने मौजूदा स्थिति को तत्काल समाप्त करने की मांग की है। इसमें उल्लेख किया गया है कि शेख हसीना के ढाका से जाने के तुरंत बाद शुरू सांप्रदायिक हिंसा ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के बीच व्यापक भय, चिंता और अनिश्चितता पैदा कर दी है।

अखबार ने बताया, संगठन के विवरण और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हजारों हिंदू परिवार बेसहारा हो गए हैं और कई मंदिरों पर हमला किया गया है और उन्हें आग के हवाले कर दिया गया है। कई अन्य हमलों में कई जगहों पर हत्याएं हुई हैं। इस दौरान अन्य अल्पसंख्यकों को भी नुकसान उठाना पड़ा है। डेली स्टार की रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि अंतरिम सरकार को गुरुवार को अपने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कुरान के अलावा अन्य धार्मिक ग्रंथों को शामिल न करने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अख़बार ने परिषद के प्रेसीडियम सदस्य काजल देवनाथ के हवाले से कहा, अन्य धार्मिक ग्रंथों के पाठ को शामिल न करना हमारे संविधान, मुक्ति संग्राम की भावना और भेदभाव विरोधी मूल्यों के विपरीत है। हमें उम्मीद है कि भविष्य के राजकीय समारोहों में सभी प्रमुख धार्मिक ग्रंथों के पाठ को शामिल किया जाएगा। देवनाथ ने कहा कि उन्हें खुद सोमवार से एक दोस्त के घर पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एक अन्य सदस्य ने कहा, हमने अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न को समाप्त करने के बारे में बहुत सी बातें सुनी हैं, लेकिन हमने कोई प्रभावी उपाय नहीं देखा है। हमारी राष्ट्रीय विरासत और संपत्ति नष्ट की जा रही है, जो हमें अस्वीकार्य है।

बुल्गारिया के राष्ट्रपति ने गोरित्सा ग्रानचारोवा-कोझारेवा को नियुक्त किया नया कार्यवाहक प्रधानमंत्री

सोफिया, एजेंसी। बुल्गारिया के राष्ट्रपति रुमेन रादेव ने शुक्रवार को गोरित्सा ग्रांचरोवा-कोझारेवा को नया कार्यवाहक प्रधानमंत्री नामित किया और उन्हें कार्यवाहक सरकार का प्रस्ताव देने का काम सौंपा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि संविधान में कार्यवाहक प्रधानमंत्री द्वारा मंत्रिमंडल की सूची प्रस्तुत करने के लिए कोई समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। लेकिन राष्ट्रपति ने 19 अगस्त तक ऐसा करने का अनुरोध किया है। ताजा हालात और गुरुवार को राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श के बाद नए संसदीय चुनावों के लिए 20 अक्टूबर को सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। रादेव ने कोझारेवा से कहा, इस संबंध में, आपको 19 अगस्त से पहले कार्यवाहक सरकार की संरचना का प्रस्ताव देना चाहिए, ताकि हम कानूनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

कोझारेवा की कैबिनेट दिमितार ग्लेवचेव के नेतृत्व वाली मौजूदा कार्यवाहक सरकार की जगह लेगी, जिन्हें 5 मार्च को प्रधानमंत्री निकोलाई डेनकोव के इस्तीफे के बाद 9 अप्रैल को नियुक्त किया गया था। 9 जून को हुए चुनावों के बाद संसद नियमित कैबिनेट बनाने में विफल रही थी।

बल्गेरियाई राष्ट्रीय लेखा परीक्षा कार्यालय (बीएनएओ) के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके ग्लेवचेव को पिछले साल दिसंबर में पारित संवैधानिक संशोधनों द्वारा परिभाषित पात्र उम्मीदवारों के पूल से चुना गया था। ये संशोधन यह निर्धारित करते हैं कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री को नेशनल असेंबली के स्पीकर, बल्गेरियाई नेशनल बैंक के गवर्नर या डिप्टी गवर्नर, बीएनएओ के अध्यक्ष या उपाध्यक्ष, या लोकपाल या उप लोकपाल में से चुना जाना चाहिए।

रादेव ने कहा कि पिछले महीनों में ग्लेवचेव की सरकार के राजनीतिक उपयोग के संदेह के कारण तनाव बढ़ गया है। रादेव ने कहा, मैंने हमेशा माना है कि कार्यवाहक सरकारें तनावपूर्ण राजनीतिक स्थिति को शांत करने के लिए होती हैं। रादेव ने नियुक्ति के दौरान कहा,प्रिय कोझारेवा, इस स्थिति में आप ही एकमात्र संभावित विकल्प हैं।

नए कार्यवाहक प्रधानमंत्री कोझारेवा स्विश्टोव में डीए त्सेनोव एकेडमी ऑफ इकोनॉमिक्स से अकाउंटिंग और कंट्रोल में मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्हें बैंकिंग और वित्त में व्यापक अनुभव है। 2015 में उप प्रमुख चुने जाने से पहले उन्होंने बीएनएओ के भीतर विभिन्न उच्च-रैंकिंग पदों पर कार्य किया था। अप्रैल में जब ग्लेवचेव को कार्यवाहक प्रधान मंत्री नियुक्त किया गया, तब वे बीएनएओ की कार्यवाहक प्रमुख बनीं। कोझारेवा ने नियुक्ति के बाद एक कैबिनेट बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है इसके बाद एक नियमित सरकार की स्थापना होने तक राज्य के सामान्य कामकाज को सुनिश्चित करेंगी।

ताइवान की हवाई सीमा में दाखिल हुए चीन के 22 लड़ाकू विमान, जल क्षेत्र पर भी ड्रैगन की नजर

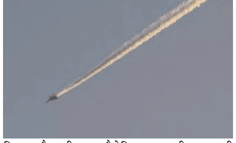

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच जमीन को लेकर जंग जारी है। चीन लगातार ताइवान के क्षेत्र को अपना बताता आया है और किसी भी हाल में वहां कब्जा करना चाहता है। इस बीच ताइवान के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि चीन ने एक बार फिर से उसके क्षेत्र में घुसपैठ की है। बताया गया है कि ताइवान की हवाई सीमा के आस पास चीन के 28 लड़ाकू विमान देखे गए हुए। इनमें से 22 लड़ाकू विमान ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में दाखिल हुए। इसके अलावा ताइवान के जल क्षेत्र में चीन के 10 नौसेनिक जहाज देखे गए। साथ ही बताया गया है कि शुक्रवार सुबह छह बजे से लेकर शनिवार सुबह छह बजे ताइवान में चीन की घुसपैठ देखी गई।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा : ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 22 लड़ाकू विमान हवाई के जलडमरूमध्य को पार कर दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में दाखिल हुए। यह भी कहा गया है कि स्थिति को भांपते हुए चीन को इसका जवाब भी दिया गया। चीन की सेना के जवाब में, ताइवान ने भी तटीय क्षेत्र में अपने लड़ाकू विमानों, नौसैनिक जहाजों और मिसाइल सिस्टम को तैनात किया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, 'आज सुबह छह बजे चीन की पीएलए 28 लड़ाकू विमान और करीब 10 नौसेनिक जहाज भीताइवान की सीमा पर देखे गए। इनमें से 22 लड़ाकू विमान मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम में दाखिल हुए। इसलिए, हमने स्थिति को भांपते हुए इसका जवाब दिया।'

ताइवान को लगातार उकसा रहा है चीन : बीते कुछ महीनों में यह देखने को मिल रहा है कि चीन द्वारा लगातार ताइवान को उकसाया जा रहा है। चीन के ताइवान के चारों और अपनी सैन्य गतिविधियों को बढ़ाया है। ताइवान के हवाई और समुद्री जल क्षेत्र के आसपास चीन की घुसपैठ भी बढ़ती जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को ही ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि पीएलएल के 18 लड़ाकू विमान और नौ नौसैनिक विमान ताइवान की सीमा के आसपास देखे गए थे।

बांग्लादेश में हमलों के खिलाफ हजारों हिंदुओं का प्रदर्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हसीना के इस्तीफे के बाद से हिंसा, लूटपाट और आगजनी की घटनाएं बढ़ गई हैं। इनके खिलाफ शुक्रवार को हिंदू जागरण मंच ने ढाका में प्रदर्शन किया। बांग्ला अखबार ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक शाहबाग चौक पर हजारों हिंदू जमा हुए और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने हरे कृष्णा-हरे रामा का नारा भी लगाया। हिंदू जागरण मंच के आयोजकों ने कहा कि दिनाजपुर में चार हिंदू गांवों को जला दिया गया है। लोग बेसहारा हो गए हैं। छुप-छुपकर रहने को मजबूर हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से ही हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ गए हैं।

हमलों को रोकने के लिए कड़े कानून की मांग : प्रदर्शन के दौरान हिंदू समुदाय ने अल्पसंख्यक मंत्रालय की स्थापना, अल्पसंख्यक संरक्षण आयोग का गठन, अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों को रोकने के लिए सख्त कानून बनाने और संसद में अल्पसंख्यकों के लिए 10 फीसदी सीटें रखने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए मुआवजा भी मांगा। इसके अलावा तोड़े गए मंदिरों को फिर से बनाने की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे इस देश में पैदा हुए हैं। यह उनके पूर्वजों की जमीन है। यह देश उनका भी उतना ही है। वे भले ही यहां मार दिए जाएं, फिर भी अपना जन्मस्थान बांग्लादेश नहीं छोड़ेंगे। अपना अधिकार पाने के लिए सड़कों पर रहेंगे।

अवामी लीग ने भी चिंता जताई : बांग्लादेश में हिंसा के बाद से ही हजारों बांग्लादेशी हिंदू भारत आने के लिए सीमा पर पहुंचे हुए हैं। उन्हें समझा-बुझाकर वापस भेजा जा रहा है। हिंदू नागरिकों के खिलाफ हिंसा को लेकर शेख हसीना की अवामी लीग ने भी चिंता जताई है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि बांग्लादेश में 5 अगस्त से ही हिंदू अपने साथियों, संपत्तियों और मंदिरों पर हमलों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा के बीच संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्लीय आधार पर किसी भी हमले या हिंसा के खिलाफ हैं। उन्होंने हिंसा को खत्म करने की अपील की। 52 जिलों में हिंदुओं पर हमले हुए, मोहम्मद यूनुस से मांगी सुरक्षा बांग्लादेश की आबादी 17 करोड़ है, जिसमें हिंदू करीब 7.95प्रतिशत (1.35 करोड़) हैं। बांग्लादेश में हिंदू दूसरा सबसे बड़ा धर्म है। देश के 64 में से 61 जिले में हिंदुओं की बड़ी आबादी रहती है।

हमारे छह पदक

पेरिस ओलंपिक 2024 के मीठे-खट्टे अनुभवों को भारत एक सबक की तरह हमेशा याद रखेगा। छह पदकों (एक रजत, पांच कांस्य) के साथ ओलंपिक 2024 में भारत के सफर का समापन हो गया। यह याद आना स्वाभाविक है कि पिछले टोक्यो ओलंपिक में हमने सात पदकों (एक स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य) के साथ इससे बेहतर प्रदर्शन किया था। यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि अगर पहलवान विनेश फोगाट की अयोग्यता का मामला न होता, तो भारत अपने प्रदर्शन को दोहराने में सफल हो जाता। यह भी याद किया जाएगा कि विनेश फोगाट के मामले ने देश में बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन जिस देश में राजनीति और खेल संघों को अलग-अलग न किया जा सके, वहां ऐसे विवाद स्वाभाविक हैं। यह 100 ग्राम से उपजी सियासत भी सुबूत है कि हम खेलों व खिलाड़ियों के प्रति पूरी तरह पेशेवर या समर्पित नहीं हैं। विनेश प्रकरण के अनेक परत हैं, जिन पर हमें गौर करना होगा। फिर भी प्रशंसा करनी चाहिए कि हमने ओलंपिक की खेल अदालत में विनेश की शिकायत को पुरजोर ढंग से उठाया है और मुमकिन है कि 13 अगस्त को एक और रजत पदक हमारी झोली में आ जाए। सबसे बड़ी खुशी राष्ट्रीय खेल हॉकी को लेकर है कि हमने लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता है। इससे निस्संदेह भावी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा, हम लगातार अपने खेल को सुधारते और पदक जीतते चले जाएंगे। इस ओलंपिक को नीरज चोपड़ा के रजत पदक और उनके साथी पाकिस्तानी अरशद नदीम के स्वर्ण पदक के लिए भी याद किया जाएगा। नीरज और नदीम की मां के उद्गार भी याद आएंगे। लंबे समय बाद पाकिस्तान की झोली में एक पदक, वह भी स्वर्ण आया है और पाकिस्तानियों को चर्चा के लिए एक सकारात्मक विषय मिला है। नदीम वहां प्रेरणास्रोत बनें, तो इसमें दक्षिण एशिया का हित है। यह ओलंपिक निशानेबाज मनु भाकर के लिए भी याद किया जाएगा। उन्होंने एक कांस्य पदक व्यक्तिगत शूटिंग में और दूसरा सरबजोत के साथ मिश्रित टीम में जीता है। निशानेबाज स्वप्निल कुसाले और पहलवान अमन सहरावत ने भी कांस्य जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। यह ओलंपिक हॉकी गोलकीपर पी आर श्रीजेश की शानदार विदाई के लिए भी याद किया जाएगा। ये खिलाड़ी अब प्रेरणा-स्रोत बनकर भारतीय खेल इतिहास में दर्ज हो गए हैं। अब यहां से खेल प्रबंधकों-निर्णायकों के लिए काम शुरू हो जाता है। क्या सोचा गया था और क्या हुआ है? आगे क्या सुधार करना है? किससे क्या सीखना है? खेल निर्णायकों को युद्ध स्तर पर काम करना होगा, तभी उनकी सार्थकता है, वरना पदक तालिका तो अभी कहीं उत्साह से दिखाने लायक भी नहीं है। सबसे ज्यादा पदक अमेरिका ने जीते हैं, पर चीनी खिलाड़ियों ने रणनीति के तहत स्वर्ण पर निशाना साधा है। जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, नीदरलैंड, ग्रेट ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली इत्यादि के पदक गिनने के बजाय हमारा जोर अपने प्रदर्शन को सुधारने पर होना चाहिए। हमें सोचना होगा कि हमारा ध्यान किधर ज्यादा है? मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में क्यों हमारी अवनति हुई है? खैर, यह पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के सत्कार का समय है। हम जब खिलाड़ियों के साथ मजबूती से खड़े होने लगेंगे, तो खेलों में सुधार की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। हॉकी के पुनरोत्थान और ओडिशा सरकार के सहयोग से भी सीखना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

आलोक मित्तल, आईपीएस

कहना कठिन है कि कितने लोगों को 18 नवम्बर, 1997 की वो स्याह सुबह याद है जब बच्चों को लेकर जा रही एक स्कूल बस दिल्ली में वजीराबाद पुल से यमुना नदी में गिरी थी। दर्दनाक हादसे में 28 बच्चों की मृत्यु हुई व 62 बच्चे तथा स्टाफ घायल हुए। बस में 6 से 14 वर्ष आयु के 112 बच्चे सवार थे। हृदय विदारक दुर्घटना के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ मामले में दिसंबर, 1997 में ही स्कूल बसों के सुरक्षित संचालन और प्रबंधन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश दिये। जिसमें स्कूल बसों की गति सीमा निर्धारण हेतु स्पीड गवर्नर लगाने, बसों का नियमित रखरखाव-निरीक्षण, चालकों के लिए पांच वर्ष का अनुभव, नियमित प्रशिक्षण व स्वास्थ्य जांच, बसों में प्राथमिक चिकित्सा किट व बच्चों के बैठने की अधिकतम सीमा निर्धारित की गई। कोर्ट के दिशा-निर्देशों के बाद स्कूली बसों को सुरक्षित बनाने हेतु सम्भवतः पहली बार गंभीर प्रयास हुए। लेकिन इसके बावजूद स्कूल बस दुर्घटनाएं चिंताजनक रूप से अक्सर हुईं। वर्ष 2015 में पंजाब के मोगा में स्कूल बस के ट्रक से टकराने से 12 बच्चों की मृत्यु हुई। वर्ष 2018 में हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में स्कूल बस के गहरी खाई में गिरने से चालक और 2 शिक्षकों सहित 23 बच्चों की मृत्यु हो गई। वर्ष 2018 में ही उ.प्र. के एटा में स्कूल बस के ट्रक से टकराने से करीब 24 बच्चों की मृत्यु हुई। वर्ष 2019 में उ.प्र. के कुशीनगर में मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन से टकराने से बस में सवार 13 बच्चों की मृत्यु हुई। इसी साल 11 अप्रैल को हरियाणा के महेन्द्रगढ़ में कनीना क्षेत्र स्थित जी.एल. पब्लिक स्कूल बस चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही से चलाने से बस पलट गई। हादसे में 6 छात्रों की मृत्यु हुई तथा 32 घायल हुए। चालक नशे में था। पहले भी इस बाबत स्कूल प्रशासन को सचेत करने पर भी अनदेखी से दुखद हादसा हो गया। दरअसल, दुर्घटनाओं का मुख्य कारण स्कूल बसों का समुचित रखरखाव न होना, बस चालकों का लापरवाही से तेज गति व नशे में गाड़ी चलाना रहा है। हाल ही में हिसार में एक स्कूल बस ब्रेक फेल होने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई, महेन्द्रगढ़ में एक स्कूल बस का पिछला टायर निकल गया तथा फरीदाबाद में स्कूल वैन में शार्ट सर्किट से आग लग गई। हादसे बताते हैं कि बसों के रख-रखाव को गम्भीरता से नहीं लिया जाता। बस चालकों में अनुशासन व आवश्यक प्रशिक्षण का अभाव, क्षमता से अधिक छात्रों को ले जाना, सुरक्षा मानकों की अनदेखी तथा बसों में सीट-बेल्ट न पहनना व आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु आवश्यक सुरक्षा साधन न होना भी दुर्घटनाओं के कारण हैं। भारत में स्कूल बस को ट्रांसपोर्ट वाहन माना गया है। सुरक्षित संचालन हेतु प्रावधान मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में दिये गये हैं। केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 बसों के लिए विशिष्ट सुरक्षा उपायों को अनिवार्य करते हैं। जैसे गति को 60 कि.मी. प्रति घंटा सीमित करने हेतु स्पीड गवर्नर लगाना, खिड़कियों पर लोहे की ग्रिल और आपातकालीन निकास की आवश्यकता है। राज्य सरकारों व राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा भी स्कूल परिवहन हेतु व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इनमें बसों का नियमित फिटनेस प्रमाणन, ड्राइवरों की साख का सत्यापन व उचित प्रशिक्षण, सुरक्षा मानदंडों के अनुपालन की निगरानी हेतु स्कूलों द्वारा परिवहन समितियां बनाने व बच्चों की सहायता हेतु परिचालक का मौजूद होना शामिल है। वर्ष 2009 में जसबीर सिंह, उपाध्यक्ष, मानव सेवा मिशन, लुधियाना ने स्कूली बसों की दुर्घटनाओं में हुई मौतों के मुद्दे को उठाया। इसका पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लिया तथा इसे तत्काल रिट याचिका सीडब्ल्यूपी नं. 6907/2009 के रूप में पंजीकृत किया। उच्च न्यायालय द्वारा पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ को स्कूली वाहनों की सुरक्षा हेतु पॉलिसी बनाने के लिए निर्देश दिए। फलतः वर्ष 2014 में हरियाणा सरकार द्वारा 'सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी' बनाई गई। इसके अंतर्गत नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश, जिला व उपमण्डल स्तर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की समितियां बनाने का प्रावधान किया गया। अब हरियाणा सरकार ने मौजूदा 'सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी' में सुधार करने के लिए कुछ संशोधन प्रस्तावित किए हैं। मसौदे के अनुसार, स्कूल प्रबंधन वर्ष में दो बार शपथ पत्र के माध्यम से 'स्व-प्रमाणन' प्रस्तुत करेगा। स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी कि वह छात्रों और छात्रों के अभिभावकों से ड्राइवर/कंडक्टर/अटेंडेंट के आचरण के बारे में समय-समय पर फीडबैक ले और उसका रिकॉर्ड बनाए। विदेशों में स्कूल बस सुरक्षा हेतु विभिन्न रणनीतियों लागू हैं। अमेरिका स्कूल बसों हेतु विशिष्ट डिजाइन मानकों को अनिवार्य करता है। अमेरिका-आस्ट्रेलिया में स्कूल बसों में सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। सुरक्षा हेतु वार्षिक जागरूकता सप्ताह, ओवरलोडिंग के लिए जीरो टॉलरेंस, यू.के. में बस ड्राइवर की निगरानी व छात्रों की सुरक्षा हेतु बसों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य हैं। चालक के लाइसेंस हेतु कड़े नियम हैं। स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना कानूनी दायित्व और नैतिक अनिवार्यता भी है। सर्वप्रथम स्कूल प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित हो व लापरवाही पर कानूनी कार्यवाही कर भारी आर्थिक दंड भी लगाया जाये। बसों के आगे व पीछे उसकी रोड फिटनेस सर्टिफिकेट की तिथि बड़े अक्षरों में लिखी जाये। ऐसी तकनीकें अनिवार्य हों, जो चालक के शराब पीकर गाड़ी चलाने पर चेतावनी दे सकें। वर्तमान में ऐसी तकनीकें उपलब्ध हैं- जो चालक के शराब पीने का पता चलने पर वाहन को स्टार्ट होने से भी रोक सकता है। ड्राइवर के व्यवहार की निगरानी करने हेतु कैमरे, सेंसर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल होता है। इसमें अतिरिक्त जिला-उपमंडल स्तरीय रोड सेफ्टी कमेटी में स्थानीय प्रतिष्ठित लोग शामिल हों, स्कूल बसों की नियमित सुरक्षा ऑडिट की जाए। इनमें स्कूल प्रशासन, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी और छात्रों के परिजनों की भागीदारी हो। आखिर इतने व्यापक दिशा-निर्देश देने के बावजूद स्कूली बसों के हादसे क्यों होते रहते हैं। क्या ये रेग्युलेशन व एनफोर्समेंट की कमी है। क्या ये हमारी आम उदासीनता का नतीजा है। बच्चों के सुरक्षित स्कूल परिवहन हेतु व्यवस्था को अधिक पारदर्शी व जवाबदेह बनाएं। स्कूली बस दुर्घटनाओं के प्रति जीरो टॉलरेंस होना आवश्यक है। इसमें माता-पिता ज्यादा सक्रियता निभाएं। हर स्कूल में प्रत्येक वर्ष एक दिन को सुरक्षा दिवस मनाते हुए परिवहन सुरक्षा पर चर्चा हो। इसी दिन बच्चों के परिजनों, शिक्षकों, बस चालकों-परिचालकों में बेहतर परिवहन सुरक्षा हेतु संवाद हो। आधुनिक तकनीक से दुर्घटनाओं को टाला जाए। स्कूली बच्चों को सुरिक्षत रखने के लिये सतत व्यवस्था बनाएं।

लेखक हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हैं।

पर्यावरणविदों के सुझावों की अनदेखी से उपजा संकट

फिर केदारनाथ आपदा

जयसिंह रावत

वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के 11 साल बाद 31 जुलाई की रात एक बार फिर केदार घाटी में जलप्रलय जैसा माहौल पैदा हो गया। केदार धाम से लेकर नीचे घाटी में फंसे 15 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों को सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और वाईएमएफ सहित थल और वायुसेना के साझा बचाव अभियान के तहत सुरक्षित निकाला जा सका। तीन यात्रियों के शव भी मलबे में बरामद हुए। केदारनाथ क्षेत्र की विशिष्ट भौगोलिक और भूगर्भीय स्थिति ऐसी है कि वहां भूस्खलन, भूकम्प और बादल फटने जैसी प्राकृतिक घटनाओं के साथ चलने की कला सीखनी ही होगी। अगर हमने प्रकृति के प्रतिकूल जिद नहीं छोड़ी तो भगवान केदारनाथ के कोप का बार-बार भाजना बनना ही होगा। इसरो ने 2023 में देश के भूस्खलन संवेदनशील 147 जिलों का जोखिम मानचित्र तैयार किया था। इसमें सबसे ऊपर रुद्रप्रयाग जिले को रखा था, जहां 31 जुलाई को आई आपदा के कारण इन दिनों हजारों तीर्थयात्रियों की जानें संकट में फंसी रही। दूसरे नम्बर पर उत्तराखंड का ही टिहरी जिला अत्यंत जोखिम की श्रेणी में रखा गया था। वहां भी गत 26 एवं 27 जुलाई की रात को भूस्खलन से तिनगढ़ गांव तबाह हो गया। इसरो के जोखिम मानचित्र पर पश्चिमी घाट पर्वत श्रेणी से लगे केरल के वायनाड सहित सारे 14 जिले शामिल किये गये थे। वर्ष 2013 की आपदा के बाद, शासन स्तर पर केदारनाथ में डॉप्लर राडार लगाने की बात कही गई थी, जिससे मौसम का सटीक पूर्वानुमान मिल सके और इस तरह की मुश्किलों से निपटने के लिए पहले से इंतजाम किए जा सकें। लेकिन एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी केदारनाथ क्षेत्र में अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित नहीं हो सका। विशेषज्ञों का कहना है कि केदारनाथ में डॉप्लर राडार स्थापित होता तो बीते 31 जुलाई को पैदल मार्ग पर बादल फटने के बाद उपजे हालात से निपटने के लिए शासन, प्रशासन को इतनी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग, उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र तथा गढ़वाल विश्वविद्यालय के भूवैज्ञानिकों ने केदार घाटी, जो कि सबसे संवेदनशील मुख्य केन्द्रीय भ्रंश (एमसीटी) के दायरे में आती है, तथा केदारनाथ धाम, जो स्वयं एक मलबे पर स्थित है, वहां भारी निर्माण की सख्त मनाही कर रखी है। वहां फिर भी सौंदर्यीकरण और सुरक्षा के नाम पर बहुत भारी निर्माण कर दिया गया। यही नहीं, सन 2013 में चोराबाड़ी ग्लेशियर पर बादल फटने और ग्लेशियर झील के टूटने के कारणों की अनदेखी की गयी। दरअसल, योजनाकार ही नहीं बल्कि आपदा प्रबंधक भी जलतंत्र की अनदेखी करने की भूल कर रहे हैं। हिमालय पर ऊपर चढ़ते समय बादल स्थाई हिमाच्छादित क्षेत्र में बारिश की जगह बर्फ बरसाते हैं। लेकिन 2013 में ऐसा नहीं हुआ जो कि जलवायु परिवर्तन का स्पष्ट संकेत था। केदार घाटी बहुत तंग है और उसके अंत में 3,583 मीटर ऊंचा केदार पर्वत या केदार डोम है। जिसे अलकनन्दा घाटी की ओर से चले बादल पार नहीं कर पाते हैं, इसलिए वहीं बरस जाते हैं। तंग घाटी होने के कारण बादलों का वेग अधिक होता है जिससे पहाड़ से टकराकर बादल फटने जैसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं। इसीलिये इस घाटी में निरन्तर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं होती रहती हैं। एक स्वैच्छिक संगठन की याचिका पर सुप्रीमकोर्ट ने 2018 में केदारनाथ की बेहद सीमित धारण क्षमता को अनुभव करते हुए वहां प्रतिदिन 5000 से कम यात्रियों के जाने की सीमा तय की थी। लेकिन सरकार पर यात्रियों से ज्यादा हितधारकों और राजनीतिक दबावों के चलते इस साल सीमा को बढ़ाकर बदरीनाथ के लिये प्रतिदिन 20 हजार, केदारनाथ 18 हजार, गंगोत्री 11 हजार और यमुनोत्री के लिये 9 हजार यात्री कर दिया गया। इससे भी दबाव कम नहीं हुआ तो सरकार ने जून में सारी सीमाएं हटा दीं। गौर करने वाली बात यह है कि पहले बदरीनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या केदारनाथ से बहुत अधिक रहती थी। बदरीनाथ के लिये सीधे वाहनों से जाया जाता है जबकि केदारनाथ के लिये लगभग 21 किमी की कठिन पैदल यात्रा भी है।

लेकिन अब केदारनाथ में बदरीनाथ से अधिक भीड़ जा रही है। उत्तराखंड राज्य गठन से पूर्व पूरे सीजन में केदारनाथ के यात्रियों की संख्या औसतन 1 लाख तक और बदरीनाथ जाने वालों की संख्या 9 लाख तक होती थी। पिछले साल केदारनाथ में 19,61,277 तक तीर्थयात्री पहुंच चुके थे। यात्रियों का यह सैलाब है जो कि केदारनाथ की धारण क्षमता से अत्यधिक होने से आपदा का एक कारण बन रहा है।

यही नहीं, बहुत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र वाले इन धामों में वाहनों की बाढ़ लगातार बढ़ती जा रही है। अति संवेदनशील गोमुख में भी इस साल अब तक 6,309 यात्री पहुंच गये जिनमें ज्यादातर कांवड़िये ही थे। प्रकृति के साथ अगर ऐसा ही खिलवाड़ होता रहेगा तो मानवीय संकट को टाला नहीं जा सकेगा।

बेशक आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए विकास की अत्यन्त आवश्यकता है, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं कि हम प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ कर दें कि अपने ही नागरिकों को जान के लाले पड़ जायें। इन आपदाओं के लिए हर बार वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के सुझावों और चेतावनियों की अनदेखी को जिम्मेदार माना जा सकता है।

विचार मंथन

सेबी प्रमुख माधवी बुच का इस्तीफा और जेपीसी की मांग पर अड़ा विपक्ष

(लेखक- सनत जैन)

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। उन आरोपों को सेबी प्रमुख माधवी बुच ने अपने खंडन में एक तरह से स्वीकार कर लिए हैं। सेबी का पूर्ण कालिक डायरेक्टर और अध्यक्ष बनने के पहले उनका पैसा निवेश था। वह तब सिंगापुर की नागरिक थी। डायरेक्टर बनने के पहले उन्होंने अपने शेयर अपने पति के नाम पर ट्रांसफर कर दिए थे। 2018 में इस फंड को अनिल आहूजा की सलाह पर उन्होंने निवेश किया है। अब अनिल आहूजा ने कहां निवेश किया है। इस जिम्मेदारी से बुच दंपति ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। आरोप का खंडन करते हुए उन्होंने कहा, उनके द्वारा कोई प्रत्यक्ष निवेश अदानी समूह में नहीं किया गया है। उनके पति धवल ने यह भी स्वीकार किया है। 2019 में ब्लैक स्टोन फंड से जुड़े थे, लेकिन वह फंड की रियल स्टेट विंग में नहीं थे। एक तरह से उन्होंने हिडनबर्ग के आरोपों को स्वीकार कर लिया है। अपने बचाव मे यह जरूर कहा, सेबी ने जो नोटिस जारी किया था। उसका जवाब हिडनबर्ग ने नहीं दिया है, उल्टा आरोप लगा दिए हैं। माधवी बुच ने 16 मार्च 2022 तक अगोरा पार्टनर्स सिंगापुर में 100 फ़ीसदी भागीदारी के बारे में कोई खंडन नहीं किया है। हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट के साथ जो दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं। उन दस्तावेजों और आरोपों को माधवी और उनके पति धबल बुच ने स्वीकार कर लिया है। उस निवेश को नियमानुसार सही ठहरने का प्रयास किया है। इस सफाई के बाद भी हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सारा विपक्ष एकजुट होकर सेबी प्रमुख माधवी बुच से इस्तीफा मांग रहा है। इस्तीफा नहीं देने पर सरकार से निलंबन की मांग की जा रही है। विपक्ष का कहना है, सेबी प्रमुख के पद पर माधवी के रहते हुए जांच संभव नहीं है। विपक्ष का आरोप है, सेबी प्रमुख ने सुप्रीम कोर्ट को अंधेरे में रखा। जांच को अटकाने और भटकाने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी, टीएमसी, आम आदमी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई करने की मांग की है। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस्तीफा मांग लिया है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कमेटी ने सेबी प्रमुख माधवी बुच की नियुक्ति की थी। जब पहली बार हिडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी के बचाव में पूरी ताकत लगा दी थी। जिन-जिन लोगों ने गौतम अडानी के बारे में संसद के अंदर और संसद के बाहर सवाल किए थे। उन सब को सरकार द्वारा प्रताड़ित किया गया। अतः जेपीसी के माध्यम से ही शेयर बाजार में हुई गड़बड़ी की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच संभव है। राहुल गांधी ने भी 20000 करोड रुपए की ऑफशोर फंडिंग मे पैसा किसका था। इसका जवाब अभी तक की जांच में नहीं मिला है। उन्होंने भी जेपीसी की मांग की है। हिडनबर्ग का भारत से प्रत्यक्ष रूप से कोई लेना-देना नहीं है। सेबी ने जो नोटिस जारी किया था। उसका जवाब देना उसके लिए आवश्यक नहीं है। सेबी का मानना था, वह कोई जवाब नहीं देगा, इस मामले को रफादफा कर दिया जाएगा। लेकिन यह दांव सेबी पर उल्टा पड़ गया। हिडनबर्ग ने दूसरी बार की रिपोर्ट में सेबी प्रमुख और अडानी के बीच के संबंधों को उजागर कर दिया। भारत की नियामक संस्था, सेबी प्रमुख द्वारा किस तरह से अडानी समूह को बचाया जा रहा है। अदानी समूह और सेबी प्रमुख के रिश्ते उजागर हो गए हैं। दूसरी रिपोर्ट के दस्तावेजों के आधार पर जांच कराए जाने का दबाव सरकार और सुप्रीम कोर्ट पर बढ़ गया है। जिस तरह से यह मामला तूल पकड़ रहा है। उसको लेकर शेयर बाजार में भारी घबराहट है। रविवार के दिन सरकार, सेबी और कारपोरेट जगत ने बाजार को गिरने से रोकने के लिए रणनीति तैयार कर ली थी। सोमवार को जब शेयर बाजार खुला, गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। सभी वित्तीय संस्थानो और कारपोरेट जगत के सहयोग से बाजार को गिरने से रोका गया। विदेशी निवेशक लगातार शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। उससे ज्यादा पैसा भारत सरकार की वित्तीय संस्थाएं शेयर बाजार में निवेश कर रही हैं। बाजार में भारी पैसा निवेश किया है। डीमेट के माध्यम से करोड़ों आम लोगों ने म्युचुअल फंड में निवेश किया है। सोमवार को बाजार की गिरावट को, किसी तरीके से रोक लिया गया है। अदानी समूह के शेयरों में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। जिस तरह की घबराहट आम निवेशकों में है। विदेशी निवेशक बाजार छोड़कर बाहर जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार की गिरावट को रोक पाना सरकार और कॉर्पोरेट कंपनियों के वश की बात नहीं रह गई है। शेयर बाजार को बचाए रखने के लिए सेबी प्रमुख माधवी को स्वयं इस्तीफा देकर निवेशकों का विश्वास बढ़ाना होगा।

पति को कराएं बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

आप संवरिए लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

वोल्टास का पहली तिमाही में मुनाफा बढ़कर 335 करोड़

नई दिल्ली । एयर कंडीशनर विनिर्माता व इंजीनियरिंग सेवा प्रदाता वोल्टास लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में मुनाफा दोगुना होकर 335 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली अप्रैल-तिमाही में मुनाफा 129.42 करोड़ रुपये था। टाटा समूह की कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया` कि पहली तिमाही में उसने एसी की 10 लाख इकाई की बिक्री रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की। इस तिमाही में उसकी कुल आय 5,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई। समीक्षाधीन तिमाही में वोल्टास की परिचालन आय 46.46 प्रतिशत बढ़ी। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 3,359.86 करोड़ रुपये थी। अप्रैल-जून तिमाही में वोल्टास का कुल खर्च 41.44 प्रतिशत बढ़कर 4,520.40 करोड़ रुपये हो गया। वोल्टास की कुल आय 45.81 प्रतिशत बढ़कर 5,001.27 करोड़ रुपये रही।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने खालापुर में खरीदी 90 एकड़ जमीन

नई दिल्ली । गोदरेज प्रॉपर्टीज ने महाराष्ट्र के रायगढ़ के खालापुर में 90 एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इस भूमि पर करीब 17 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र में विकास की संभावना है, जिसमें मुख्य रूप से आवासीय भूखंड विकास शामिल है। हालांकि, कंपनी ने इससे जुड़ी वित्तीय जानकारी नहीं दी। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आवासीय भूंखंड विकास ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण गति हासिल की है। खालापुर की आने वाले समय में अच्छी मांग होगी। गोदरेज हिलव्यू एस्टेट को मिली अच्छी प्रतिक्रिया के बाद हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना है। खालापुर मुंबई से करीब 70 किलोमीटर दूर स्थित है।

काइनेटिक ग्रीन ने ग्रेटर पैसिफिक से जुटाए 2.5 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी काइनेटिक ग्रीन ने निजी इक्विटी कंपनी ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल से 2.5 करोड़ डॉलर (करीब 209 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। कंपनी ने कहा कि उसने 'सीरीज ए' वित्त पोषण चक्र में यह पूंजी जुटाई। इसका लक्ष्य चार करोड़ अमेरिकी डॉलर तक जुटाना था। पुणे स्थित कंपनी ने बयान में कहा` कि वह इस धनराशि का इस्तेमाल सुपा (महाराष्ट्र) स्थित अपने विनिर्माण संयंत्र में उत्पादन बढ़ाने, हाल ही में पेश किए गए ई-लूना सहित अपने मौजूदा उत्पादों के विपणन तथा वितरण व नए उत्पादों के अनुसंधान एवं विकास के लिए करेगी। काइनेटिक ग्रीन ने इस साल जनवरी में अपना प्रमुख वाहन ई-लूना पेश किया था।

म्युचुअल फंड कंपनी का एयूएम रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली । म्यूचुअल फंड स्कीम्स में बीते महीने म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में रिकॉर्ड बढ़त देखने को मिली है। यह मासिक आधार पर 6 फीसदी बढ़कर 64.69 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है, जो कि जून में 60.89 लाख करोड़ रुपये पर था। म्यूचुअल फंड एयूएम बढ़ने से देश में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के चलन में इजाफा होना है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स (एएमएफआई) के डेटा के मुताबिक जुलाई में एसआईपी के जरिए 23,332 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जो अब तक का सबसे बड़ा डेटा है। हालांकि, कुछ इक्विटी निवेश 8.61 फीसदी कम होकर 37,113.4 करोड़ रुपये पर आ गया है, जो जून में 40,608.19 करोड़ रुपये पर था। यह लगातार 41वां महीना है, जब ओपन-एंडेड इक्विटी फंड्स में निवेश पॉजिटिव रहा है। हालांकि, इस दौरान बाजार में अच्छी तेजी देखने को मिली। जुलाई में सेंसेक्स ने 3.43 फीसदी और निफ्टी ने 3.92 फीसदी का सकारात्मक रिटर्न दिया है। एसआईपी के जरिए निवेश लगातार बढ़ने के कारण एसआईपी एयूएम बढ़कर 13,09,385.46 करोड़ रुपये हो गया है। यह एसआईपी एयूएम का अब तक का सबसे बड़ा डेटा है। जून में यह 12,43,791.71 करोड़ रुपये पर था।

दिल्ली मेट्रो में सफर होगा और आसान, जारी होंगे वर्चुअल स्मार्ट कार्ड

नई दिल्ली ।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) एक नई डिजिटल फीचर पेश करने के बारे में विचार कर रही है। इसके बाद आपको फिजिकल स्मार्ट कार्ड रखने की जरूरत नहीं होगी। जल्द ही दिल्ली मेट्रो के लिए नया वर्चुअल स्मार्ट कार्ड सिस्टम आने वाला है। यह फीचर डीएमआरसी के मोमेंटम 2.0 के अलावा दिल्ली मेट्रो क्यूआर टिकट की सुविधा देने वाले मौजूदा प्लेटफार्मों जैसे वाट्सएेप, पेटीएम, अमेजन पे और वन दिल्ली के जरिए भी उपलब्ध होगी।

आसान भाषा में समझें तो मौजूदा क्यूआर कोड केवल सिंगल जर्नी के लिए मान्य होता है, यात्रियों को हर जर्नी के लिए एक नया क्यूआर कोड लेना होता है। यात्री वर्चुअल स्मार्ट कार्ड के जरिए मल्टीपल जर्नी के लिए एक ही क्यूआर कोड का इस्तेमाल कर सकेंगे। डीएमआरसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि हम स्टोर किए गए वैल्यू के लिए क्यूआर को पेश करने की योजना बना रहे हैं। यह एक ट्रेडिशनल कार्ड की तरह होगा जो एक ही यात्रा तक सीमित नहीं होगा। यह पेपर प्रिंट की संख्या को भी कम करेगा। दिल्ली मेट्रो वर्चुअल स्मार्ट कार्ड मेट्रो काउंटरों पर उपलब्ध फिजिकल स्मार्ट कार्ड की तरह ही काम करेगा। इसे स्मार्टफोन पर स्टोर किया जा सकेगा। यात्री डीएमआरसी मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके अपने क्यूआर वॉलेट को टॉप अप कर सकते हैं और यात्रा के लिए क्यूआर कोड जनरेट करने के लिए स्टोर वैल्यू का इस्तेमाल कर सकते हैं। आपका वर्चुअल स्मार्ट कार्ड बैलेंस ऐप में सुरक्षित रूप से जमा रहेगा। अगर आपका मोबाइल गुम हो जाता है, तो भी आप अपने कार्ड के फंड तक पहुंचने के लिए दूसरे डिवाइस पर लॉग इन कर सकते हैं।

एलआईसी चालू वित्त वर्ष में शेयर बाजार में करेगी बड़ा निवेश

नई दिल्ली । देश की प्रमुख इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) चालू वित्त वर्ष 2024-25 में शेयर बाजार में करीब 1.30 लाख करोड़ रुपये का नया निवेश करने पर विचार कर रही है। एलआईसी ने वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-जून के दौरान शेयरों में करीब 38,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एक साल पहले इसी अवधि में यह राशि 23,300 करोड़ रुपये थी। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एलआईसी ने इक्विटी बाजारों में अपने निवेश से 15,500 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। उसका निवेश से मुनाफा तिमाही आधार पर 13.5 फीसदी ज्यादा रहा। एलआईसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हम निश्चित रूप से बाजारों और कीमतों में उतार-चढ़ाव को देख रहे हैं। हम एक अच्छी राशि का निवेश करने पर विचार कर रहे हैं, कम से कम हमने पिछले वित्त वर्ष में जितना निवेश किया था। एलआईसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 1.32 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था। उन्होंने कहा कि जून के अंत तक विभिन्न कंपनियों के शेयरों में एलआईसी के निवेश की मार्केट वैल्यू करीब 15 लाख करोड़ रुपये खि। इस समय तक एलआईसी ने 282 कंपनियों के शेयरों में निवेश किया था

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

- सोना 69,800 रुपए, चांदी लगभग 80,250 रुपए

नई दिल्ली।

इस सप्ताह सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत नरमी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव सोमवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 69,800 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 80,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव में भी नरमी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सोमवार को गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 176 रुपये की गिरावट के साथ 69,719 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 101 रुपये की गिरावट के साथ 69,794 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 118 रुपये की गिरावट के साथ 80,425 रुपये पर खुला। इस समय यह 278 रुपये की गिरावट के साथ 80,235 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,470.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,473.40 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 7.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,466.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.55 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.58 डॉलर था। फिलहाल यह 0.14 डॉलर की गिरावट के साथ 27.44 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

हिंडनबर्ग-सेबी विवाद से उबरा बाजार........

शुरुआती गिरावट के बाद सपाट बंद

मुंबई ।

हिंडनबर्ग-सेबी विवाद के बीच सोमवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद हुए। शुरुआती गिरानट से उबरते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 56.99 अंक टूटकर 79,648.92 पर बंद हुआ। सोमवार को सुबह के कारोबार में इंडेक्स 479.78 अंक की गिरावट के साथ 79,226.13 के निचले स्तर पर आ गया था। बाद में बेंचमार्क में तेज सुधार हुआ और यह 400.27 अंक चढ़कर 80,106.18 पर पहुंच गया। वहीं, दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 20.50 अंक गिरकर 24,347.00 पर बंद हुआ। निफ्टी में सोमवार को 24,212.10 और 24,472.80 के रेंज में कारोबार हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। एक्सिस बैंक, इंफोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक सेंसेक्स के टॉप-5 गेनर्स रहे। इसके अलावा, कोटक बैंक, मारुति, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी लाभ में रहे।वहीं दूसरी तरफ, सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, एसबीआई और नेस्ले इंडिया सेंसेक्स के टॉप-5 लूजर्स साबित हुए। इसके अलावा, एमएंडएम, रिलायंस,टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल,आईटीसी, टाइटन, बजाज फाइनैंस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और एचयूएल के शेयर नुकसान में रहे।बाजार जानकार ने कहा, भारतीय बाजार अपेक्षाकृत सपाट रहा। उन्होंने कहा कि अदाणी-हिंडनबर्ग और सेबी के बीच फिर से विवाद के तुल पकड़ने से बाजार की शुरुआत कमजोर रही। हालांकि, बाद में भारतीय शेयर बाजार, वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेत लेते हुए स्मार्ट रिकवरी करने में कामयाब रहे।ग्लोबल मार्केट का कैसा रहा हालएशियाई बाजारों में, सियोल और हांगकांग सकारात्मक क्षेत्र में रहे, जबकि शंघाई निचले स्तर पर बंद हुआ। टोक्यो और बैंकॉक में बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजार अधिकतर ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।शुद्ध खरीदार रहे विदेशी संस्थागत निवेशकशेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआईएस) कई दिनों की शेयर बिकवाली के बाद शुक्रवार को खरीदार बन गए। उन्होंने 406.72 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.83 प्रतिशत चढ़कर 80.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

स्मार्टफोन- वनप्लस 12 की कीमत हुई कम

-फेस्टिव सीजन से पहले वनप्लस का तगड़ा

नई दिल्ली ।

वनप्लस कंपनी ने स्मार्टफोन- वनप्लस 12 की कीमत को कम कर दिया है। कंपनी ने इसके दोनों वेरिएंट को 5 हजार रुपये का प्राइस कट दिया है। प्राइस कट के बाद फोन के 12जीबी रैम + 256जीबी इंटरनल स्टोरेज वाले वेरिएंट की कीमत 64,999 रुपये से घट कर 59,999 रुपये हो गई है। वहीं, फोन के 16जीबी रैम और 512जीबी इंटरनल स्टोरेज वाले वेरिएंट के लिए आपको अब 69,999 रुपये की बजाय अब केवल 64,999 रुपये खर्च करने होंगे। खास बात है कि कंपनी इस फोन पर 7 हजार रुपये तक का इंस्टेंट डिस्काउंट भी दे रही है। साथ ही आप इसे 1 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई पर भी खरीद सकते हैं। फोन में कंपनी 3168गुणा 1440 पिक्सल रेजॉलूशन के साथ 6.82 इंच का 2के आलेड प्रो एक्सडीआर कर्व्ड डिस्प्ले दे रही है। यह डिस्प्ले 120एचझेड के रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करता है। इसका पीक ब्राइटनेस लेवल 4500 निट्स का है। फोन 16जीबी तक की एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 512जीबी तक के यूएफएस 4.0 इंटरनल स्टोरेज के साथ आता है। प्रोसेसर के तौर पर कंपनी इस फोन में स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 ऑफर कर रही है। सेल्फी के लिए फोन में कंपनी 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दे रही है। फोन को पावर देने के लिए इसमें 5400 एमएएच की बैटरी दी गई है। यह बैटरी 100वॉट की सुपर वॉक चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोन में आपको 50 वॉट की वायरलेस चार्जिंग भी मिलेगी।

फोटोग्राफी के लिए फोन के बैक पैनल पर आपको एलईडी फ्लैश के साथ तीन कैमरे मिलेंगे। इनमें 50 मेगापिक्सल के ओआईएस मेन कैमरा के साथ एक 64 मेगापिक्सल का ओम्निविजन टेलिफोटो कैमरा और एक 48 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड ऐंगल कैमरा शामिल है।

रुपया डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में

मुंबई ।

रुपये ने सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.95 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 83.95 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.22 पर रहा।

'ये साइंस है': शिंगल्स के खिलाफ जीएसके के नए जागरूकता एवं बचाव अभियान से जुड़े अमिताभ बच्चन एवं मनोज पाहवा

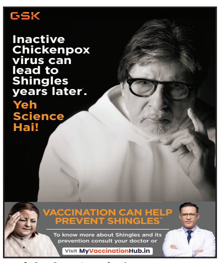

नई दिल्ली। जीएसके ने आज शिंगल्स के प्रति जागरूकता के लिए नया कैंपेन लॉन्च किया। इस कैंपेन में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन एवं प्रतिष्ठित अभिनेता मनोज पाहवा चिकनपॉक्स और शिंगल्स के बीच के वैज्ञानिक संबंधों के बारे में विस्तार से समझाते हुए नजर आएंगे। कैंपेन फिल्मों में शिंगल्स के बारे में चर्चा कर रहे दो दोस्तों के बीच की सामान्य बातचीत को ही केंद्र में रखा गया है। इसमें डायबिटीज से पीड़ित लोगों में शिंगल्स की अधिक आशंका के बारे में भी विमर्श किया गया है।

इस अभियान को लेकर मनोज पाहवा ने कहा, 'मैं उस आयु वर्ग में आता हूं, जिसमें शिंगल्स होने का खतरा रहता है। जीएसके के शिंगल्स जागरूकता अभियानों के माध्यम से मैंने इस दर्दभरी बीमारी और इससे जुड़े खतरों के बारे में काफी कुछ जाना है। मैंने स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना किया है और इस बात को अच्छी तरह से समझता हूं कि संक्रामक बीमारियों से ग्रस्त होने पर सामान्य एवं सक्रिय जीवन जी पाना कितना मुश्किल हो जाता है। मैं लोगों को शिंगल्स के कारण जानने और बचाव के महत्व के बारे में शिक्षित करने के इस अभियान का हिस्सा बनकर गर्व का अनुभव कर रहा हूं। मैं 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को प्रोत्साहित करना चाहूंगा कि अपने डॉक्टर से शिंगल्स एवं इससे बचाव के तरीकों के बारे में बात करें।'

किसी व्यक्ति को चिकनपॉक्स हुआ हो, तो ठीक होने के बाद भी इसका कारण बनने वाले वायरस शरीर में निष्क्रिय अवस्था में पड़े रहते हैं और इन्हीं वायरस के फिर सक्रिय होने से शिंगल्स की समस्या होती है। ऐसे लोग जिन्हें पहले चिकनपॉक्स हो चुका हो और अब वे डायबिटीज का शिकार हैं, तो उनमें शिंगल्स का खतरा 40 प्रतिशत ज्यादा रहता है। खून में ग्लूकोज की ज्यादा मात्रा यानी हाई ब्लड शुगर से इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है और जब इम्यून सिस्टम कमजोर होता है तो चिकनपॉक्स के वायरस के पुनः सक्रिय होने और शिंगल्स होने का खतरा बढ़ जाता है।

जीएसके की पेशेंट एम्पावरमेंट हेड विज्ञेता अग्रवाल ने कहा, '2023 का एपीआई-इप्सॉस सर्वे दिखाता है कि यहां तक कि जिन लोगों को शिंगल्स हो चुका है, उन्हें भी अपनी इस दर्दभरी बीमारी का कारण नहीं पता होता है। यह जरूरी है कि 50 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को शिंगल्स और इससे बचाव के बारे में पता हो।

हम शिंगल्स होने के वैज्ञानिक कारणों और चिकनपॉक्स एवं शिंगल्स के बीच के संबंधों को सामान्य तरीके से समझाना चाहते हैं। अमिताभ बच्चन में देश के हर कोने के लोगों से जुड़ने की अद्भुत क्षमता है। हमें विश्वास है कि कैंपेन में उनके होने से हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों, विशेष रूप से बड़ी उम्र के लोगों तक पहुंचने और उन्हें शिंगल्स एवं इससे बचाव के तरीकों के बारे में अपने डॉक्टर से सलाह लेने के लिए प्रेरित करने में मदद मिलेगी।'

सिम्प्लीफाई विशेष रसायन अनुसंधान और विनिर्माण को बदलने में अग्रणी है

नेशनल। स्पेशलिटी केमिकल मैन्युफैक्चरिंग स्टार्ट-अप सिम्प्लीफाई ने आज घोषणा की कि उसने सीरीज ए फंडिंग में 9.5 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। इस दौर का नेतृत्व ओम्निवोर ने बर्टेल्समैन इंडिया इन्वेस्टमेंट्स और मौजूदा निवेशकों 3one4 कैपिटल और बीनेक्स्ट के साथ किया था। सिम्प्लीफाई भारत में एक अग्रणी विशेष रसायन कंपनी है, जो कृषि रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, औद्योगिक और स्वाद और सुगंध क्षेत्रों के लिए विज्ञान-प्रथम, एंड-टू-एंड अनुबंध विनिर्माण मंच की पेशकश करती है।

सिम्प्लीफाई अपने इन-हाउस अनुसंधान और विनिर्माण क्षमताओं के साथ विशेष रसायन उद्योग में क्रांति लाने में अग्रणी है। उन्नत तकनीक और रासायनिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ का लाभ उठाते हुए, सिम्प्लीफाई निर्माताओं को उत्पादन दक्षता बढ़ाने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन करने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, Simplify 150 से अधिक निर्माताओं को अपने वैश्विक मांग नेटवर्क का लाभ उठाने और उच्च संभावित मार्जिन के साथ अद्वितीय तकनीक प्रदान करके उनकी क्षमताओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है। सिम्प्लीफाई के वैज्ञानिकों की समर्पित टीम विनिर्माण इकाइयों के लिए एक निर्बाध और कुशल तकनीकी हस्तांतरण प्रक्रिया सुनिश्चित करती है, जिससे सुचारू एकीकरण और प्रबंधकीय सफलता संभव होती है। 2,000 से अधिक उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला और 5 से अधिक देशों में निर्यात के साथ, सिम्प्लीफाई विशेष रसायन उद्योग में वैश्विक नेता बनने की ओर अग्रसर है।

2003 में, वैश्विक विशेष रसायन बाजार का मूल्य 800 बिलियन अमेरिकी डॉलर था और कृषि रसायन और फार्मास्यूटिकल्स का बाजार में 60 प्रतिशत हिस्सा था। गौरतलब है कि भारत दुनिया में कृषि रसायनों का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है और वर्ष 2027 तक पूरे भारतीय रसायन उद्योग का उत्पादन दोगुना होने की उम्मीद है। सिम्प्लीफाई की विविध सेवाओं में कृषि रसायन, फार्मास्यूटिकल्स एपीआई और स्वाद और सुगंध सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुबंध अनुसंधान और वाणिज्यिक रासायनिक विनिर्माण शामिल हैं। हरित परिवर्तन का समर्थन करने वाले नए फॉर्मूलेशन की बढ़ती मांग, चीन से भारत की ओर स्थानांतरित हो रही वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण के लिए भारत सरकार के प्रोत्साहन को देखते हुए, सिम्प्लीफाई भारत और दुनिया में एक बड़े ग्राहक आधार की सेवा करने के लिए तैयार है।

बेंगलुरु स्थित सिम्प्लीफाई की स्थापना 2023 में सलिल श्रीवास्तव और सचिन संतोष ने की थी। सलिल ने पहले ज़ेटवर्क में रसायन विभाग का नेतृत्व किया और आईटीसी लिमिटेड के साथ अपना करियर शुरू किया। सचिन आईआईटी-मद्रास के पूर्व छात्र हैं जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत ऑफबिजनेस से की थी और पहले बिजोंगो के साथ काम किया था। दोनों संस्थापकों ने हरित विनिर्माण, गुणवत्ता और नवाचार पर जोर देने के साथ व्यापक समाधानों के साथ वैश्विक विशेष रसायन उद्योग को सक्षम करने के लिए सिम्प्लीफाई लॉन्च किया। इस नए दौर के साथ, कंपनी की योजना अपनी अनुसंधान एवं विकास क्षमता को दोगुना करने और अधिक भौगोलिक क्षेत्रों में ग्राहकों को जोड़ने की है।

सिम्प्लीफाई के सह-संस्थापक सलिल श्रीवास्तव ने कहा, "मध्यम आकार की फ़ैक्टरियाँ भारतीय विशेष रासायनिक विनिर्माण की रीढ़ हैं जिन्होंने दशकों से गहरी और रसायन विज्ञान से संबंधित विशेषज्ञता हासिल की है।" हालाँकि, बुनियादी ढाँचे के साथ, अगले पाँच वर्षों में राष्ट्रीय उत्पाद को दोगुना करने की पर्याप्त क्षमता है। सिम्प्लीफाई इन क्षमताओं का लाभ उठाने और ग्राहकों को तकनीक-सक्षम और पूर्ण-स्टैक पेशकश प्रदान करने के लिए इन कारखानों में उन्नत अनुसंधान एवं विकास के साथ वैश्विक ग्राहकों की निरंतर मांगों का लाभ उठाते हुए विशेष उत्पाद प्रदान करता है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं रोहित शर्मा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा इन दिनों काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह लगातार गेंदबाजों को परेशान कर रहे हैं। रोहित अपने इस इरादे में सफल भी रहे हैं और उनकी इस तरह की बल्लेबाजी से भारतीय टीम को तेज शुरुआत भी मिल रही है।

वहीं वनडे वर्ल्ड कप 2023 की बात करें या फिर टी20 वर्ल्ड कप 2024 की या फिर उसके बाद श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज की। रोहित ने हर जगह गेंदबाजों को अपनी बल्लेबाजी से परेशान किया। इसके दम पर वो अन्य भारतीय बल्लेबाजों के मुकाबले ज्यादा सफल भी रहे। अब रोहित शर्मा बतौर ओपनर टीम के लिए इतने सफल रहे हैं तो शुभमन गिल भी उनसे पीछे नहीं हैं, बल्कि जब बात 2023 से अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने की हो तो गिल यहां पर रोहित शर्मा ससे बाजी मारते हुए नजर आ रहे हैं।

शुभमन गिल के लिए पिछली कुछ सीरीज ज्यादा अच्छी नहीं रही है, लेकिन 2023 से लेकर अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। 2023 से लेकर अब तक गिल ने इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 2975 रन बनाए हैं और इससे साफ पता लग जाता है कि उन्होंने किस अंदाज में बल्लेबाजी की है। वहीं दूसरे नंबर पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं जो 2790 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर श्रीलंका के बल्लेबाज कुसल मेंडिस हैं जिन्होंने इस अवधी में 2724 रन 78 पारियों में बनाए हैं जबकि चौथे स्थान पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 51 पारियों में 2344 रन जड़े हैं। पांचवें नंबर पर डेरिल मिचेल मौजूद हैं जिन्होंने 68 इनिंग में 2339 रन बनाए हैं तो वहीं ट्रेविस हेड भी इस लिस्ट में 61 पारियों में 2257 रन बनाकर छठे स्थान पर हैं। सातवें नंबर पर श्रीलंका के ही पथुम निसांका हैं जिन्होंने 56 पारियों में 2152 रन बनाए हैं।

ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना अच्छा संकेत : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉस एंजिल्स में 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट शामिल होने से, इस खेल के लिए पूरी तरह से अलग दर्शक वर्ग खुल जाएगा। यह कहना है ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट लीजेंड रिकी पोंटिंग का। उन्होंने कहा कि क्रिकेट को आखिरी बार 1900 में ओलंपिक में शामिल किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने पिछले साल अक्टूबर में मुंबई में आयोजित 141वें आईओसी सत्र में क्रिकेट को शामिल करने की आधिकारिक पुष्टि की थी। रिकी पोंटिंग ने एक कार्यक्रम में कहा कि, यह हमारे खेल के लिए अच्छे संकेत हैं। हम पिछले 15-20 साल से ओलंपिक में क्रिकेट को जगह देने के लिए प्रयास कर रहे थे, आखिरकार यह हो गया है। इवेंट में चार साल बचे हैं। इतने समय में अमेरिका में मेजर क्रिकेट लीग में भी विकास होगा। इससे अमेरिका में जमीनी स्तर पर क्रिकेट का विकास हो सकता है। उन्होंने कहा कि, जब ओलंपिक खेलों की बात आती है तो यह आपके लिए बड़ा दर्शक वर्ग खोलता है। ओलंपिक दुनिया में काफी लोगों के द्वारा देखा जाता है। एक बिल्कुल अलग तरह का दर्शक वर्ग क्रिकेट को ओलंपिक में मिलेगा, जो हमारे खेल के लिए अच्छी बात है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मेंटर या कोच के रूप में काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, ओलंपिक खेलों में एक क्रिकेट टीम के मेंटर के रूप में रहना, उनके साथ समय बिताना काफी अच्छा काम होगा। मैं कॉमनवेल्थ खेलों में खेलने के लिए भाग्यशाली था और विलेज में एथलीटों के आसपास रहना एक क्रिकेटर के लिए एक काफी शानदार वातावरण था। तो, देखिए, मैं मना नहीं करूंगा, लेकिन मुझे लगता है कि ओलंपिक खेलों में ऑस्ट्रेलियाई टीम के मेंटर या कोच बनने की कोशिश करने के लिए बहुत सारे लोग हाथ उठाएंगे। इसका हिस्सा बनना विशेष होगा, देखिए क्या होता है। पोंटिंग ने यह भी कहा कि क्रिकेट बेसबॉल के फैन बेस की लोकप्रियता का फायदा उठा सकता है। यह खेल अमेरिका में काफी लोकप्रिय है और क्रिकेट से मिलता-जुलता है। अमेरिका में क्रिकेट के विकास की अपार संभावनाएं हैं।

दक्षिण अफ्रीका दौरे में हार से हुई थी सबसे अधिक निराशा : द्रविड़

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि 2021 का दक्षिण अफ्रीका का दौरा कोच के तौर पर उनके लिए सबसे कठिन रहा था। भारतीय टीम इस दौरे में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में बढ़त बनाने के बाद भी 1-2 से हार गयी थी। द्रविड़ ने कहा कि आईसीसी एकदिवसीय फाइनल में मिली हार भी निराशाननक थी पर इससे भी ज्यादा बुरा उन्हें तब लगा जब टीम दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज हार गयी थी। भारतीय टीम तीन मैचों की इस टेस्ट सीरीज बढ़त बनाने के बाद भी 1-2 से हार गयी थी। वह दौरा उनका मुख्य कोच के रुप में उनका पहला विदेशी दौरा था। तब विराट कोहली कप्तान थे। भारतीय टीम के पास तब दक्षिण अफ्रीका में पहली बार सीरीज जीतने का अवसर था पर वह उसके हाथ से निकल गया।

द्रविड़ ने नंवबर 2021 से जून 2024 तक कोच की जिम्मेदारी संभाली। टी20 विश्व कप 2024 के बाद ही द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हुआ। द्रविड़ के कोच रहते भारतीय टीम तीन बार आईसीसी टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंची। हालांकि, भारत को एकदिवसीय विश्व कप 2023 और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। द्रविड़ ने कहा कि, अगर आप मुझसे पूछें कि मेरा सबसे मुश्किल वक्त कौन सा था तो मैं कहूंगा कि मेरे करियर की शुरुआत में आयोजित हुई दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज थी। हमने दक्षिण अफ्रीका में सेंचुरियन में पहला टेस्ट मैच जीता था और फिर हमें दूसरा और तीसरा टेस्ट मैच खेलना था। इस सीरीज को जीतने का हमारे पास बहुत बड़ा मौका था हालांकि तब रोहित शर्मा सहित कुछ अनुभवी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण बाहर थे। इसके बाद भी टीम के पास जीत का अवसर था पर वह उसका लाभ नहीं उठा पायी।

गुडबॉय पेरिस, अब 2028 में लॉस एंजिल्स में मिलेंगे

–समारोह में एक वक्त ऐसा आया कि जब स्टेडियम में घोर अंधेरा छा गया

– ओलंपिक 2024 के समापन समारोह में मनु भाकर–श्रीजेश फ्लैगबियरर रहे

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 रविवार को ओलंपिक फ्लैग झुकाने के साथ इसका समापन हो गया। अब अगला ओलंपिक 2028 में लॉस एंजिल?स में होगा। भारत ने पेरिस ओलंपिक में एक सिल्वर और पांच कास्य के साथ कुल 6 पदक जीते। पेरिस में दो पदक जीतने वालीं मनु भाकर और हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश समापन समारोह में भारत के फ्लैगबियरर रहे। दोनों खिलाड़ियों ने भारत का तिरंगा हाथ में थामा रखा। पेरिस ओलंपिक में भारत की तरफ से 117 खिलाड़ियों ने भाग लिया। ओलंपिक इतिहास में पहली बार समापन समारोह में आखिरी पदक महिला मैराथन को मिला। इससे पहले पुरुष वर्ग में यह पदक दिया जाता था।

पेरिस ओलंपिक का समापन स्टेड डी फ्रांस स्टेडियम में रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात हुआ। इस रंगारंग समारोह को टोनी एस्तांगुएट और इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाख ने संबोधित किया। टोनी ने कहा कि यह ओलंपिक गेम्स का समापन नहीं, बल्कि उद्घाटन समारोह की समाप्ति है। खेल तो हमेशा होते रहेंगे। थॉमस बाक ने लॉसएंजिल्स के मेयर को ओलंपिक ध्वज सौंपा। पेरिस ओलंपिक का समापन समारोह तीन घंटे तक चला। समापन समारोह की शुरुआत फ्रेंच गीत से हुई। इसके बाद परेड ऑफ नेशंस हुई। फिर बेल्जियम की पॉप सिंगर एंजेले वान वीक ने अपनी प्रस्तुति दी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के गोल्डन वॉयजर बैंड ने ओलिंपिक की खोज दिखाई। फ्रांस के बैंड फिनिक्स की परफॉर्मेंस में एंजेले, कमिस्की और रैपर वनाडा ने दी फिर पांच ग्रैमी अवॉर्ड विनर गैब्रिएला सरमिएंटो विल्सन ने अमेरिका का राष्ट्रीय गीत गाया।

हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज ने भी समापन समारोह में अपनी प्रस्तुति दी। वे स्टेडियम की छत से एक रोप के जरिये नीचे उतरे फिर सिमोन बाइल्स और लॉस एंजिल्स के मेयर से ओलंपिक फ्लैग लिया और बाइक से उसे लेकर चले गए। फिर उन्होंने एक प्लेन से फ्लैग के साथ जंप किया और लॉस लॉस एंजिल्स में उतरे यह सीन पहले ही शूट कर लिया गया था। इसके बाद अमेरिका के महान एथलीट माइकल जॉनसन को फ्लैग सौंपा गया। आखिर में ओलंपिक मशाल बुझाकर समारोह का समापन किया गया।

समापन समारोह में एक वक्त ऐसा आया कि जब स्टेडियम में घोर अंधेरा छा गया। इसके बाद लाइट शो शुरू हुआ। लाइट शो की थीम 'गोल्डन वॉयजर' थी। शो में एक कहानी दिखाई गई। एक ट्रैवलर, गोल्डन मैन, जिसका शरीर सोने का बना हुआ था। वह दुनिया की सैर पर निकलता है। ग्रीस पहंचता है, जहां, 2800 साल पहले ओलंपिक गेम्स की शुरुआत हुई थी। इसको देख लोग प्रसन्न चित हो गए।

अगले माह खेल में वापसी कर सकते हैं शमी

मुम्बई। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट नहीं होने के कारण एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह टी20 विश्वकप के लिए भी टीम में नहीं थे। वहीं अब शमी के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति के प्रमुख अजीत अगरकर के अनुसार शमी 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज से वापसी कर सकते हैं। अगरकर ने माना है कि शमी की रिकवरी अच्छी हो रही है और अगर सब कुछ इसी तरह चला तो वह अगले माह खेलते हुए दिखेंगे। अगरकर के अनुसार शमी ने गेंदबाजी भी शुरू कर दी है। शमी टखने की चोट के कारण एकदिवसीय विश्वकप क बाद से ही खेल से दूर हैं। सीरीज का पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से खेला जाएगा। ऐसे में अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शमी टेस्ट सीरीज में वापसी कर पाते हैं या नहीं। शमी को दिसंबर–जनवरी में दक्षिण अफ्रीका में दो मैचों की सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम में शामिल किया गया था पर बाद में उन्हें इस दौरे से भी आराम दे दिया गया था।

समय से पहले पाक पहुंचेगी बांग्लादेश क्रिकेट टीम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि बांग्लादेश की टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए तय समय से पहले पहुंचेगी। पीसीबी के अनुसार बांग्लादेश में खराब हालातों के कारण टीम अभ्यास नहीं कर पा रही है। ऐसे में अब बांग्लादेश क्रिकेट टीम 13 अगस्त को ही पाक पहुंच जाएगी। दोनो देशों के बीच आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंतर्गत होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज 21 अगस्त से शुरु होगी। पीसीबी ने कहा कि उसने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से जल्द टीम भेजने को कहा था जो उसने स्वीकार कर लिया। बांग्लादेश के खिलाड़ी 16 अगस्त तक गद्दाफी स्टेडियम में अभ्यास के बाद रावलपिंडी में आगे का अभ्यास करेंगे। दोनो टीमों के बीच पहला टेस्ट 21 से 25 अगस्त को रावलपिंडी में जबकि दूसरा टेस्ट 30 अगस्त से तीन सितंबर तक कराची में होगा। पीसीबी के मुख्य परिचालन अधिकारी सलमान नसीर ने कहा कि उन्हें खुशी है कि बीसीबी ने पहले टीम भेजने का उनका आमंत्रण स्वीकार कर लिया। नसीर ने कहा, ''खेल महज जीत और हार नहीं है। यह भाईचारे के बारे में भी है।

वेस्टइंडीज में टी20 क्रिकेट लीग में खेलती नजर आयेंगी जेमिमा और शिखा

मुम्बई। वेस्टइंडीज में टी20 महिला क्रिकेट लीग इसी माह 20 अगस्त से होगी। इसमें दुनिया भर की खिलाड़ियों के साथ ही भारत की भी जेमिमा रोड्रिग्स, शिखा पांडे जैसे खिलाड़ी खेलती नजर आये। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी मेंटोर की भूमिका में नजर आयेंगी। झूलन त्रिनबागो नाइट राइडर्स की मेंटॉर रहेंगी। ये लीग 21 अगस्त से 29 अगस्त तक चलेगी। इस लीग में कई भारतीय महिला क्रिकेटर भी खेलेंगी।इस लीग में तीन ही टीमें बारबाडोस रॉयल्स, गुयाना अमेजन वॉरियर्स विमंस और त्रिनबागो नाइट राइडर्स भाग ले रही हैं। इसमें भी दो टीमों में आईपीएल फ्रेंचाइजियों की भागीदारी है। झूलन इस लीग में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की मेंटॉर की भूमिका में रहेंगी। झूलन इससे पहले भारतीय घरेलू क्रिकेट में भी बंगाल की महिला टीम की मेंटॉर रही हैं। वह महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की मेंटॉर और गेंदबाजी कोच रही हैं। मेंटोर की भूमिका को लेकर उत्साहित झूलन ने इसे लेकर कहा कि, इतनी शानदार फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। अब मेरा ध्यान टीम को लीग में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है।

ऋषभ पंत को टेस्ट क्रिकेट में आसान नहीं होगी वापसी, ये 3 विकेटकीपर दे सकते हैं कड़ी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। जिसके लिए टीम का ऐलान होना बाकी है। लेकिन कहा जा रहा है कि, इस सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट टीम में विकेटकीपर ऋषभ पंत की वापसी हो सकती है। दरअसल, टीम के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर पहले ही इस बात का ऐलान कर चुके हैं कि पंत को टेस्ट क्रिकेट में लाने की तैयारी चल रही है। जिस कारण उनको वनडे टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, पंत के लिए टेस्ट टीम में वापसी करना आसान नहीं होगा।

बेहद ही खरतनाक कार एक्सीडेंट के कारण आईपीएल 2024 से पहले ऋषभ पंत 15 महीने तक क्रिकेट से दूर थे। वहीं उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच दिसंबर 2022 में खेला था उसी महीने के आखिर में उनका कार एक्सीडेंट हुआ था। लेकिन अब वे रेड बॉल क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। आईपीएल 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन और फिटनेस साबित करने के बाद उनको टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए चुना गया था। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज के लिए भी उन्हें मौका मिला था।

स्टार खिलाड़ी खेलेंगे दलीप ट्रॉफी

बांग्लादेश टीम अगले महीने भारत दौरे पर आएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। अगरकर और उनकी समिति दलीप ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों की घोषणा करने के लिए भी तैयार है। 5 से 24 सितंबर के बीच ये टूर्नामेंट खेला जाएगा। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में खेलते हुए दिखेंगे। इसके बाद भारत को बांग्लादेश के खिलाफ दो, न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्टूबर में 3 और नवंबर-दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर 5 टेस्ट मैच खेलने हैं।

दलीप ट्रॉफी खेल सकते हैं ऋषभ पंत

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता पंत को दलीप ट्रॉफी में मौका देने का फैसला करने पर विचार कर रहे हैं। जिससे उन्हें लाल गेंद के प्रारूप में बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। इसके बाद ही बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए टीम का ऐलान होगा। हालांकि, पंत को ईशान किशन, ध्रुव जुरैल और केएल राहुल से बतौर विकेटकीपर कड़ी टक्कर मिल सकती है।

ऋषभ पंत को मिल सकती है कड़ी टक्कर

पंत की गैरमौजूदगी में केएस भरत को मौका दिया गया, लेकिन वे फेल रहे। इसके बाद ईशान किशन की ओर टीम गई, लेकिन वहां भी निराशा हाथ लगी। साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान ईशान किशन टीम की पहली पंसद थे, लेकिन उन्होंने मानसिक थकान का हवाला देकर टीम का साथ छोड़ दिया। ऐसे में केएल राहुल को विकेटकीपिंग सौंपनी पड़ी। जिन्होंने साउथ अफ्रीका के बाद घरेलू सरजमीं पर इंग्लैंड के खिलाफ अच्छ प्रदर्शन किया था और अपनी जगह सुनिश्चित की थी।

वहीं दलीप ट्रॉफी के लिए ध्रुव जुरेल, ईशान किशन और केएल राहुल को भी चुना जाएगा। जुरेल ने इंग्लैंड के खिलाफ कुछ मैचों में विकेटकीपिंग की जिसमें उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया। ऐसे में पंत को इन तीनों विकेटकीपरों से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। विदेशी सरजमीं पर ऋषभ पंत भारत को कई बार जीत दिला चुके हैं। फिर चाहे वो विकेटकीपिंग हो या बल्लेबाजी उन्होंने खुद को हर बार साबित किया है।

श्रीधर बोले , इस कारण सूर्यकुमार को मिली टी20 प्रारुप की कप्तानी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने कहा है कि सूर्यकुमार यादव के लगातार उपलब्ध रहने के कारण ही उन्हें टी20 प्रारुप की कप्तानी मिल है। वहीं इससे पहले ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को कप्तानी का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। श्रीधर के अनुसार गत माह हुए श्रीलंका दौरे में भी जब हार्दिक की जगह सूर्यकुमार कप्तान बने तो सभी हैरान हो गये थे। तब तक किसी ने सोचा भी नहीं था कि हार्दिक को कप्तानी नहीं मिलेगी। हार्दिक के लिए नकारात्मक बात उनकी खराब फिटनेस रही है। इसी कारण वह लगातार उपलब्ध नहीं रहते हैं जबकि सूर्या को लेकर ऐसी परेशानी नहीं नहीं है। चयन समिति चाहती थी कि कप्तान हर मैच के लिए उपलब्ध रहे। इससे पांड्या कप्तान और उप–कप्तान दोनों की ही रेस से बाहर हो गए। श्रीधर ने कहा कि मैदान पर सूर्यकुमार को नियमित रूप से उपस्थित रहने का लाभ मिला। चयन समिति का मानना था कि सूर्या एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जो भारत के हर मैच में मैदान पर उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा उन्हें कप्तान बनाये जाने पर कार्यभार प्रबंधनी जैसे परेशानी नहीं आयेगी। वहीं हार्दिक बल्लेबाजी और गेंदबाज दोनो करते हैं, ऐसे में कार्यभार प्रबंधन के तहत उन्हें बीच–बीच में आराम देना भी जरुरी रहता है। इन्हीं अब बातों से पलड़ा सूर्या की ओर घूम गया। इसके अलावा सूर्यकुमार ने कुछ मैचों में तब भारत की कप्तानी की। इससे भी चयनकर्ताओं को भरोसा हो गया कि वह अच्छी तरह से ये जिम्मेदारी निभा सकते हैं। साथ ही कहा कि उनके आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल से भी चयनसमिति प्रभावित थी।

बैडमिंटन, मुक्केबाजी में विश्व चैम्पियन हमारे एथलीट्स, ओलिम्पिक में एक भी मैडल ला नहीं पाए

पैरिस (एजेंसी)। पैरिस ओलिम्पिक में भारतीय दर्शकों को सबसे बड़ी निराशा बैडमिंटन और मुक्केबाजी से हाथ लगी। दोनों गेम में भारत के पास विश्व चैम्पियन थे लेकिन ओलिम्पिक में मानसिक दबाव में दबे यह एथलीट्स एक भी मैडल हासिल नहीं कर पाए।

एथलैटिक्स के बाद बैडमिंटन को मिला था सबसे बड़ा बजट

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का लंदन ओलिम्पिक (2012) से शुरू हुआ पदक जीतने का सिलसिला 12 साल के बाद पैरिस ओलिम्पिक में थम गया, जो इस खेल के प्रशंसकों के लिए किसी निराशा की तरह था। लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल के सैमीफाइनल में पहुंच कर पदक की उम्मीद जगाई थी लेकिन सैमीफाइनल और कांस्य पदक के मुकाबले में अच्छी स्थिति में होने के बावजूद उनकी हार चिंताजनक रही। रियो (2016) और टोक्यो (2021) में पदक जीतने वाली पी.वी. सिंधू से पैरिस में हैट्रिक की उम्मीद थी तो वहीं, सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शैट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को पदक का सबसे बड़ा दावेदार माना गया था। इन खिलाड़ियों के साथ पुरुष एकल में एच.एस. प्रणय और महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी भी दबाव में बिखर गई।

बैडमिंटन के लिए 72.03 करोड़ रुपए आवंटित

ओलिम्पिक के पैरिस चक्र के दौरान सरकार ने प्लेयरों के 13 राष्ट्रीय शिविर और 81 विदेशी अनुकूलन दौरे कराए। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के मिशन ओलिम्पिक सैल ने बैडमिंटन के लिए 72.03 करोड़ रुपए आवंटित किए, जो भारत की ओलिम्पिक तैयारियों के लिए 16 खेल में खर्च किए गए लगभग 470 करोड़ रुपए में से दूसरी सबसे बड़ी राशि है।

सात्विक और चिराग का जादू नहीं चला

विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सात्विक और चिराग को स्वर्ण का दावेदार माना गया लेकिन वह आगे नहीं बढ़ पाए। सरकार ने जर्मनी और फ्रांस में सिंधू और लक्ष्य के प्रशिक्षण के लिए क्रमशः 26.60 लाख रुपए और 9.33 लाख रुपए मंजूर किए गए थे। सिंधू की टीम में 12 सदस्यीय सहायक टीम थी, लेकिन वह चीन की ही बिंगजियाओ से आगे निकलने में असफल रहीं। सात्विक और चिराग ने इस साल बी.डब्ल्यू.एफ. के 4 विश्व टूर फाइनल में 2 खिताब जीते थे और 2023 एशियाई खेलों, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों और 2023 एशिया चैम्पियनशिप जैसे प्रमुख आयोजनों में कई पदक जीते थे। सरकार ने पेरिस चक्र के लिए इस भारतीय जोड़ी पर कुल 5.62 करोड़ रुपए खर्च किए, लेकिन क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

लक्ष्य सेन दबाव में बिखरे

विश्व चैम्पियनशिप (2023) और एशियाई खेलों में कांस्य पदक विजेता प्रणय को प्रशिक्षण के लिए 1.8 करोड़ रुपए मिले, लेकिन खेलों से पहले चिकनगुनिया ने उनके अभ्यास को बाधित किया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य से हार का सामना करना पड़ा। अश्विनी और तनीषा को 1.5-1.5 करोड़ रुपए का समर्थन मिला लेकिन यह जोड़ी ग्रुप चरण में कोई भी मैच जीतने में विफल रही। लक्ष्य ने आखिरी के 2 मैचों में असफलता के बावजूद जज्बा और शानदार कौशल का प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर रहे।

उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए भारतीय मुक्केबाज

निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन जैसे मौजूदा विश्व चैम्पियन खिलाड़ियों के बावजूद भारतीय मुक्केबाज पैरिस ओलिम्पिक में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्हें बिना पदक के वापस लौटना पड़ा। विजेंदर सिंह के बीजिंग ओलंपिक 2008 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय मुक्केबाजों से ओलिम्पिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाने लगी थी। इसके 4 साल बाद एमसी मैरी कॉम ने लंदन ओलिम्पिक में कांस्य पदक जीता था। रियो ओलिम्पिक 2016 में भारतीय मुक्केबाज पदक नहीं जीत पाए लेकिन टोक्यो ओलिम्पिक में लवलीना कांस्य पदक हासिल करने में सफल रही थी। इस परिदृश्य में उम्मीद की जा रही थी कि भारतीय मुक्केबाज पदक जीतने का सिलसिला जारी रखेंगे लेकिन उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

बॉक्सिंग में 2 पदकों की पूरी उम्मीद थी

खेल के जानकारों का मानना ??था कि क्वालीफाई करने वाले छह मुक्केबाजों से दो नहीं तो कम से कम एक पदक की उम्मीद की जा सकती है। 2 बार की विश्व चैम्पियन जरीन (50 किग्रा), लवलीना (75 किग्रा) और विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता निशांत देव (71 किग्रा) सभी को पोडियम पर पहुंचने का मजबूत दावेदार माना जा रहा था। लेकिन जब वास्तविक प्रतिस्पर्धा की बात आई तो भारतीय खिलाड़ियों में आवश्यक गति की कमी नजर आई। निशांत को अपवाद माना जा सकता है क्योंकि क्वार्टर फाइनल में विवादास्पद परिणाम के कारण वह पदक से वंचित हो गए। जहां तक जरीन और लवलीना का सवाल है तो वह अपनी मजबूत प्रतिद्वंदियों के सामने संघर्ष करती हुई नजर आई।

अमित पंघाल ने निराश किया

अमित पंघाल (51 किग्रा) अपनी पिछली फॉर्म को दिखाने में नाकाम रहे। लवलीना, पंघाल और निशांत को पदक सुरक्षित करने के लिए सिर्फ 2 जीत की जरूरत थी। लवलीना और जरीन को हालांकि मुश्किल ड्रॉ मिला था लेकिन वह दोनों मौजूदा विश्व चैम्पियन हैं और ऐसे में उनसे इस तरह की चुनौतियों से पार पाने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन इन दोनों मुक्केबाजों ने चीन की अपनी प्रतिद्वंदियों के सामने आसानी से घुटने टेक दिए। जरीन को स्वर्ण पदक का दावेदार माना जा रहा था लेकिन वह दूसरे दौर में ही वू यू से हार गईं। लवलीना को चीन की अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी ली कियान से हार का सामना करना पड़ा। इन दोनों मुक्केबाजों के बीच अभी तक खेले गए 4 मुकाबलों में से 3 में चीन की खिलाड़ी ने जीत दर्ज की है।

महिला बॉक्सर भी हारीं

पुरुष वर्ग में पंघाल जाम्बिया के पैट्रिक चिनेम्बा के खिलाफ अपने तेज और आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं कर पाए। जांबिया का मुक्केबाज भी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाया। जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) पिछले ओलिम्पिक खेलों की रजत पदक विजेता नेस्टी पेटेसियो से हार गईं। प्रीति पवार (54 किग्रा) ने मौजूदा विश्व रजत पदक विजेता येनी मार्सेला एरियास को कड़ी चुनौती दी लेकिन आखिर में अनुभव की कमी उनके आड़े आई और उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

लिंबायत विधानसभा की विधायिका संगीता पाटिल ने बच्चों संग मनाया अपना जन्मदिन

सुरत भुमि, सूरत। नवागाँव बिलिया नगर में सामाजिक अग्रणी उमेश तिवारी द्वारा लिंबायत विधानसभा की विधायिका संगीताबेन पाटिल का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया विधायिका के जन्मदिन के उपलक्ष में सुमन हाई स्कूल के टॉप 10 विद्यार्थियों एवं अन्य विद्यार्थियों को भी बैग वितरण किया गया । इस अवसर पर लिंबायत विधानसभा की विधायिका संगीता बहन पाटिल द्वारा उपस्थित लोगों को संबोधित किया गया उन्होंने कहा कि मैं आपके हर सुख दुख में आपके साथ खड़ी हूं। इस अवसर पर संगीता बहन द्वारा महिलाओं को साड़ी भी वितरण किया गया उमेश तिवारी द्वारा उपस्थत महानुभावों का आभार व्यक्त किया गया उन्होंने कहा कि विस्तार के कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की इसके लिए मैं उनका आभारी इस अवसर पर बांधकम समिति के अध्यक्ष भाईदास पाटिल, वार्ड नंबर 27 के पार्षद सुधाकर चौधरी, संजय सिंह,पार्षद सोमनाथ मराठे शिक्षण समिति के सभ्य शुभम उपाध्याय , वार्ड नंबर 27 डिंडोली दक्षिण के प्रमुख राजू भाई पाटिल, परमेश्वर राजपूत, राजेंद्र उपाध्याय, स्मिथ जोशी, रमाशंकर तिवारी ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, डॉक्टर कमलेश मिश्रा, संजय मिश्रा , राजू श्रीवास्तव, चिन्मय, गुलाब भाई , विशाल पटेल, अक्का भरवाड़, प्रवीण पांडे, संजय तिवारी गुड्डू तिवारी, सूरज तिवारी, सनी झा, शिवा पांडे, विनायक पांडे, युवा नेता अंकित पांडे, नवनीत पांडे, शिवम दुबे, समदरिया दुबे, रोशन तिवारी, आयुष भाई, कृष्णा पांडे , सिद्धार्थ तिवारी, किरण पाटिल, विक्की पाटिल, प्रमोद उपाध्याय, एसपी तिवारी, राजा चौधरी उर्फ साईमंड उपस्थति में कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

नारायण ज्वैलर्स ने इंडिया कॉउचर वीक 2024 में रिमज़िम दादू के शोकेस में "एलिसियन ग्लो" का अनावरण किया

भारत के सबसे प्रसिद्ध आभूषण घरानों में से एक नारायण ज्वैलर्स (बड़ौदा) ने हाल ही में संपन्न हुंडई इंडिया कॉउचर वीक 2024 में रिमज़िम दादू के शो में "एलिसियन ग्लो" नामक एक नए संग्रह का अनावरण किया। विरासत और आधुनिकता का मिश्रण करने वाले इस संग्रह को दादू के भविष्य के डिज़ाइनों के साथ शानदार ढंग से जोड़ा गया है। दोनों ब्रांडों का एक साथ आना सबसे अनोखी लिखावट में प्रयोगात्मक विलासिता का उत्सव है जहाँ कला और फैशन का मिलन होता है!

नारायण ज्वैलर्स के प्रबंध निदेशक डॉ. केतन और जतिन चोकशी ने कहा, "हमें इंडिया कॉउचर वीक 2024 में उनके शोकेस के लिए रिमज़िम दादू के साथ सहयोग करने की खुशी है। नारायण ज्वैलर्स एक आधुनिक पारंपरिक लक्जरी डिजाइनर ब्रांड है, जिसमें बेजोड़ शिल्प कौशल की लगभग एक सदी की विरासत है और यह दादू के अवांट-गार्डे सौंदर्यशास्त्र को पूरी तरह से पूरक करता है, जो फैशन और आभूषणों में अद्वितीय विलासिता और नवाचार के प्रदर्शन का वादा करता है।" रिमज़िम दादू कॉउचर 2024 "स्टुको" एक आधुनिक और प्रयोगात्मक लेंस के माध्यम से बारोक वास्तुकला और डिजाइन की भव्यता की पुनर्व्याख्या करता है। नारायण ज्वैलर्स के केतन और जतिन चोकशी द्वारा डिज़ाइन किए गए एलीसियन ग्लो में आभूषणों के लिए दुर्लभ रंग की पॉलिश हैं जो सफेद सोने, हीरे, माणिक, पन्ना और अन्य कीमती रत्नों की एक श्रृंखला के वैभव के लिए एक असाधारण वृद्धि हैं। संग्रहों को सहजता से जोड़ा गया जो फैशन और आभूषणों में असाधारण शिल्प कौशल और कॉउचर डिज़ाइनों का एक दृश्य तमाशा बनाता है।

कॉउचरियर रिमज़िम दादू ने कहा, "इस संग्रह में, मैंने बारोक वास्तुकला की भव्यता को आधुनिक नवाचार के साथ मिलाते हुए उसमें गहराई से उतरा है। यह कालातीत लालित्य और समृद्ध इतिहास के लिए एक श्रद्धांजलि है जो मेरे डिजाइनों को प्रेरित करता है। प्रत्येक पीस पिछले 18 वर्षों में मेरी यात्रा का प्रतिबिंब है, शिल्प कौशल और अवांट-गार्डे सौंदर्यशास्त्र का मिश्रण, नारायण ज्वैलर्स के उत्तम आभूषणों द्वारा खूबसूरती से पूरक।" अभिनेत्री सोभिता धुलिपाला, जो शाम की शोस्टॉपर थीं, ने एक शानदार प्लास्टर बारोक बस्टियर को ऑस्ट्रिच फ्रिंज स्कर्ट के साथ पहना था। इस पहनावे के पूरक के रूप में, उन्होंने नारायण ज्वैलर्स के एलीसियन ग्लो संग्रह से 'वन इन ए मिलियन' सीरीज़ से एक खूबसूरती से डिज़ाइन किया गया हार और झुमके पहने थे। यह दृश्य कृति एक केंद्र खोलने योग्य टुकड़ा है, जो दुर्लभ कच्चे माल, इंजीनियर शिल्प कौशल और उच्च सौंदर्यशास्त्र के बेहतरीन संयोजन को प्रदर्शित करता है।

एकल वन यात्रा का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। एकल श्रीहरि युवा विंग द्वारा प्रथम वन यात्रा का आयोजन रविवार को किया गया। यात्रा में क़रीबन साठ सदस्य सोनगढ़ गए। वहाँ सभी ने समिति द्वारा संचालित एकल विद्यालय और संस्कार शिक्षा केंद्र, कंप्यूटर केंद्र, सिलाई केंद्र, गौशाला आदि को देखा। वन यात्रा का मुख्य उद्देश्य युवा वर्ग को एकल श्रीहरि के वनवासी क्षेत्रों में किए जाने वाले कार्यों से अवगत करना है। यात्रा में युवा विंग के सुमित मित्तल, सीए रचना अग्रवाल, सीए सोनल मित्तल, सुमित राजवंशी सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

अंतरराष्ट्रीय समन्वय समिति की बैठक का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। एकल श्रीहरि की अंतराष्ट्रीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन मुंबई के भयंदर स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। दो दिवसीय बैठक में 26 शहरों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मिटींग में राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने बताया कि समिति द्वारा देश के 61 हजार गांव में वनवासी कल्याण के लिए कार्य किए जा रहे हैं। 2030 तक देश के चार लाख वनवासी गांव तक भारतीय संस्कार और संस्कृति को पहुंचाना और उन्हें मुख्य धारा से जोड़ना, 10,000 व्यास कथाकार बनाने की लक्ष्य दिया। इसके लिए संस्कार केन्द्र व रथ योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस अवसर पर देश के विभिन्न शहरों से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। अन्य सभी पदाधिकारियों ने अपना वक्तव्य रखा। इस मौके पर गुजरात से रतनलाल दारुका, विश्वनाथ सिंघानिया उपस्थित रहें।

ऑटोमेशन पर दक्षिणी एशिया की सबसे बड़ी प्रदर्शनी जो एआई और रोबोटिक्स में करेगी नवाचारों का प्रदर्शन

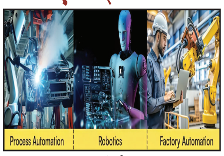

मुंबई।

ऑटोमेशन उद्योग के लिए भारत की सबसे बड़ी प्रदर्शनी ऑटोमेशन एक्सपो ने अपने 17वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन का अनावरण किया। इस प्रदर्शनी का आयोजन 21-24 अगस्त के बीच बॉम्बे एक्ज़हीबिशन सेंटर, नेस्को, मुंबई में किया जाएगा। प्रदर्शनी एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो भारत के ऑटोमेशन उद्योग में हो रहे तीव्र विकास एवं इनोवेशन्स पर रोशनी डालेगी।

ऑटोमेशन एक्सपो 2024 आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स एवं रोबोटिक्स के द्वारा प्रोसेस एवं फैक्टरी ऑटोमेशन पर पड़ने वाले बदलावकारी प्रभावों पर रोशनी डालेगी। अपनी लागत प्रभाविता एवं प्रोग्रामिंग की क्षमता के चलते पारम्परिक रोबोट्स लम्बे समय से लोकप्रिय बने हुए हैं। हालांकि अब प्रोडक्शन डेटा के साथ एआई को शामिल करने से ऑटोमेशन नए स्तर तक पहुंच गया है, जिसके चलते रखरखाव के बेहतर होने, सामग्री की बर्बादी कम होने और मांग बढ़ने की उम्मीद है। इस सालकी प्रदर्शनी एमएसएमई सेक्टर के आगंतुकों को स्टार्ट-अप्स एवं उद्योग जगत के लीडर्स की ओर से नई तकनीकों एवं समाधानों के बारे में जानकारी प्रदान करेगी।

भारत का इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन सेक्टर लगातार बढ़ रहा है, एक अनुमान के मुताबिक यह 15 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2029 में 29.5 बिलियन डालर के आंकड़े को पार कर जाएगा। इस विस्तार को देखते हुए ऑटोमेशन एक्सपो 2024 के आयोजन के लिए यह सही समय है, जो उद्योग जगत के हितधारकों को नई तकनीकों एवं कारोबार के अवसरों के बारे में जानने के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान करेगी।

प्रदर्शनी का आयोजन 30,000 वर्गमीटर में किया जाएगा तथा 500 से अधिक प्रदर्शक एवं 1000 से अधिक ब्राण्ड्स जैसे एबीबी, एडेज, एडवांटेक, एलस्ट्ट, ऑटोबॉट्स, ऑटोमोटिव रोबोटिक्स, एपसन, पैनासोनिक, प्रामा हिकविज़न आदि अपने इनोवेशन्स को पेश करेंगे।

ऑटोमेशन एक्सपो की घोषणा पर बात करते हुए डॉ एम. एराकियास्वामी, संस्थापक एवं चेयरमैन आईईडी कम्युनिकेशन्स ने कहा, "हम पांचवी ओद्यौगिक क्रान्ति के दौर से गुज़र रहे हैं, जहां डिजिटल टेक्नोलॉजी, एआई एवं फिज़िकल मशीनरी एक साथ मिलकर मैनुफैक्चरिंग एवं प्रोडक्शन को नया आयाम देते हैं। ऑटोमेशन एक्सपो 2024 इस बदलाव में अग्रणी है तथा प्रोसेस ऑटोमेशन एवं फैक्टरी ऑटोमेशन के आधुनिकीकरण में एआई और रोबोटिक्स की मुख्य भूमिका को प्रदर्शित करती है। एआई न सिर्फ इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन को बल्कि कमर्शियल एवं डोमेस्टिक सेक्टरों को भी नया आयाम दे रहा है। सुरक्षित एवं यूज़र के अनुकूल टेकनोलॉजी पर ज़ोर, वर्तमान में हो रहे डिजिटल बदलाव को दर्शाता है तथा भावी उत्पादकता के लिए एआई और रोबोटिक्स को मजबूत स्थिति पर स्थापित करता है।'

मेडिकल टूरिज्म और सीआरएम सॉफ्टवेयर के साथ हेल्थकेयर - ब्रोच लाइफकेयर हॉस्पिटल लिमिटेड 13 अगस्त 2024 को एसएमई आईपीओ की योजना बना रहा है

गुजरात ।

भरूच स्थित ब्रोच लाइफकेयर हॉस्पिटल लिमिटेड चिकित्सा पर्यटन और डेटा संग्रह के लिए कैथ लैब उपकरण और सीआरएम सॉफ्टवेयर के साथ व्यापार विस्तार के लिए हृदय उपचार में विशेषज्ञता के साथ स्वास्थ्य सेवा में लगा हुआ है। हमारे प्रवर्तक - डॉ. जयकुमार व्यास एवं डॉ. शची व्यास के पास स्वास्थ्य सेवा उद्योग में लगभग 10 वर्षों का अनुभव है। कंपनी "मेपल हॉस्पिटल्स" ब्रांड के तहत भरूच और अंकलेश्वर में बुटीक अस्पताल संचालित करती है और कार्डियोलॉजी सेवाओं सहित हृदय रोगों के रोगियों को चौबीसों घंटे समर्पित सेवाएं प्रदान करती है।

भरूच और अंकलेश्वर का अस्पताल मरीजों के इलाज के लिए एक अत्याधुनिक 40 बिस्तरों वाला अस्पताल है और यह इकोकार्डियोग्राफी, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी, ट्रेडमिल टेस्ट, होल्टर मॉनिटरिंग, एंबुलेटरी ब्लड प्रेशर माप, तनाव परीक्षण वगैरह जैसे परीक्षण करने के लिए नैदानिक उपकरणों से भी सुसज्जित है। डोबुटामाइन स्ट्रेस इकोकार्डियोग्राफी और जीवन रक्षक उपकरण जैसे इंट्रा-एओर्टिक बैलून पंप मशीन, बाइफैसिक डिफाइब्रिलेटर, वेंटिलेटर, बाइपैप मशीन, सिरिंज पंप, वॉल्यूमेट्रिक इन्फ्यूजन पंप और मल्टीपारा मॉनिटरिंग मशीन के साथ उन्नत कोरोनरी देखभाल करी जाती है।

अस्पताल चार पीएसयू बीमा कंपनियों, 15 निजी बीमा कंपनियों और 8 तृतीय पक्ष प्रशासकों (टीपीए) के साथ सूचीबद्ध हैं। इसके अलावा, हमने भारत सरकार की प्रमुख योजना यानी आयुष्मान भारत योजना, जिसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के नाम से जाना जाता है, के तहत अपने अस्पतालों की रैंकिंग के लिए भी आवेदन किया है।

व्यवसाय विस्तार के हिस्से के रूप में कैथ ने चिकित्सा उपचार और अंतर्निहित बीमारी के लिए ऑनलाइन परामर्श के लिए प्रयोगशाला उपकरण जोड़ने और वेब-आधारित सॉफ़्टवेयर डिज़ाइन करने का प्रस्ताव रखा है। अंतर्निहित बीमारी के लिए चिकित्सा उपचार और ऑनलाइन परामर्श के लिए वेब-आधारित सॉफ़्टवेयर डिज़ाइन करने की भी योजना है।

वित्त वर्ष 2024 के लिए व्यवसाय से आय रु. 260.58 लाख और एबिटा रु. 102.61 लाख दर्ज किया गया है. कर पश्चात लाभ रु. 69.76 लाख. ईपीएस रु. 1.92 और बुक वैल्यू रु. 12.26 प्रति शेयर. रुपये के निर्गम मूल्य पर विचार करते हुए। 25 प्रति शेयर तय है. गुणज 13.02 गुना होगा. एबिटा रु. 102.61 लाख रुपये के आईपीओ आकार 402 लाख का किया गया है।

कंपनी का सार्वजनिक निर्गम 16,08,000 इक्विटी शेयरों का है और अंकित मूल्य रुपये है। प्रति शेयर रू. 10के नकद मूल्य से रु. 25 होगा. (प्रति शेयर 15 रुपये का प्रीमियम है) कंपनी द्वारा रुपये 402 लाख जुटाए जाएंगे। यह इश्यू इश्यू के बाद हमारी कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 26.50त्न बनता है। शेयर बीएसई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ 13 अगस्त 2024 को खुलेगा और 16 अगस्त 2024 को बंद होगा।

भारती ने यूके : बीटी ग्रुप पीएलसी में किया रणनीतिक निवेश

नई दिल्ली। भारतीय टेलीकॉम, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और स्पेस कम्युनिकेशंस में विश्व स्तरीय कंपनियों वाले प्रमुख भारतीय व्यापार समूह, भारती एंटरप्राइजेज (भारती) की अंतरराष्ट्रीय निवेश शाखा, भारती ग्लोबल ने अल्टिस यूके से बीटी ग्रुप पीएलसी के जारी शेयर पूंजी में लगभग 24.5% हिस्सेदारी हासिल करने के लिए साझेदारी की ।

शेयरों की खरीदारी भारती ग्लोबल द्वारा स्थापित और पूर्ण रूप से स्वामित्व वाली कंपनी, भारती टेलिवेंचर्स यूके लिमिटेड के माध्यम से की जाएगी। भारती टेलिवेंचर्स यूके लिमिटेड ने अल्टिस यूके के साथ एक कानूनी रूप से अनिवार्य समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत बीटी ग्रुप की जारी पूंजी का लगभग 9.99% हिस्सा शीघ्र ही अधिग्रहीत किया जाएगा और शेष लगभग 14.51% हिस्सेदारी आवश्यक नियामक स्वीकृत मिलने के बाद अधिग्रहीत की जाएगी।

भारती और बीटी के बीच दो दशकों से अधिक का लंबा और स्थायी संबंध रहा है। 1997 में, बीटी ने भारती एयरटेल में 21% हिस्सेदारी अधिग्रहीत की थी और आज का दिन भारती के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जब भारती ने प्रतिष्ठित ब्रिटिश कंपनी : बीटी में हिस्सेदारी हासिल की है, जिससे भारत-यूके की द्विपक्षीय साझेदारी और मजबूत होगी। बीटी में इस निवेश का उद्देश्य हमारे माननीय प्रधानमंत्री के भारत और यूके के संबंधों को मजबूती देने और व्यापक करने के दृष्टिकोण को पूरा करने में सहयोग देगा ।

भारती को उम्मीद है कि यह निवेश दूरसंचार क्षेत्र में दोनों देशों के बीच नए तालमेल बनाने में मदद करेगा, विशेष रूप से एआई और 5जी अनुसंधान और विकास तथा कोर इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में, जिससे उद्योग की बेस्ट प्रैक्टिसस और नई टेक्नोलॉजी पर सहयोग करने की अपार संभावनाएं उत्पन्न होंगी। हाल ही में संपन्न यूके के विदेश सचिव, माननीय डेविड लैमी की भारत यात्रा के दौरान, यूके-भारत प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य दूरसंचार सहित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग का विस्तार करना है।

बीटी में निवेश पर टिप्पणी करते हुए, भारती एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष, सुनील भारती मित्तल ने कहा: "भारती और ब्रिटिश टेलीकॉम (बीटी) के बीच दो दशकों से अधिक का स्थायी संबंध रहा है, जिसमें 1997-2001 के बीच बीटी ने भारती एयरटेल लिमिटेड में 21त्न हिस्सेदारी और 2 बोर्ड सीटें हासिल की थीं। आज का दिन भारती समूह के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जब हम एक प्रतिष्ठित ब्रिटिश कंपनी बीटी : में निवेश कर रहे हैं।

सूरत में छह दिवसीय नेशनल सिल्क एक्सपो का आयोजन किया गया है

सुरत भुमि, सूरत। सूरत के सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में छह दिवसीय नेशनल सिल्क एक्सपो का आयोजन किया गया है. 15 अगस्त से शुरू होने वाले नेशनल सिल्क एक्सपो में महिलाओं के सिल्क, कॉटन साड़ियां, डिजाइनर एथनिक ड्रेस, ड्रेस मटेरियल, होम लिनेन की विभिन्न वैरायटी एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। 15 से 20 अगस्त तक चलने वाला नेशनल सिल्क एक्सपो सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा। इसकी खासियत यह है कि इसमें आपको पूरे भारत के 150 से ज्यादा मास्टर बुनकरों और बेहतरीन डिजाइनरों का काम देखने को मिलेगा। शादी और रक्षाबंधन के सीज़न के लिए नए डिज़ाइन वाली विशेष साड़ियों और सूटों की नवीनतम विविधता उपलब्ध है। साथ ही 40 फीसदी तक की छूट भी दी जाएगी. विभिन्न प्रकार के डिज़ाइन वाली अच्छी गुणवत्ता वाली साड़ियाँ, सूट और पोशाकें उपलब्ध हैं। कई राज्यों के बुनकरों द्वारा उत्पादित वस्त्रों के काउंटर एक ही स्थान पर लगेंगे। जिससे आपको अलग-अलग दुकानों में खरीदारी करने के झंझट से मुक्ति मिल जाएगी। "अलग-अलग डिज़ाइन के अलग-अलग रेट हैं, इसलिए खरीदारी करने वाले लोग अपने बजट के अनुसार खरीदारी कर सकेंगे। ग्राहकों के पास डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड सहित कई भुगतान विकल्प होंगे।

बिहार, असम, उड़ीसा, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश की लोकप्रिय किस्में और साड़ियाँ और पोशाक सामग्री राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। सिल्क एक्सपो. इसमें विभिन्न डिज़ाइन, पैटर्न, रंग संयोजन हैं। जिसमें गुजरात की डबल इकत हस्तनिर्मित पटोला साड़ियां 15 हजार से लेकर 2 लाख रुपये तक उपलब्ध हैं, जो आठ महीने में तैयार हो जाती हैं। इसे दो बार बुना जाता है. तमिलनाडु की शुद्ध जरी वर्क वाली कांजीवरम साड़ी भी महिलाओं को आकर्षित करेगी।

बनारस के बुनकर अपनी साड़ियों को नए जमाने के हिसाब से लोकप्रिय बनाने के लिए नए-नए प्रयोग करते रहते हैं। कभी-कभी वे बनारसी साड़ियों पर बैग प्रिंट करवाते हैं और अब वे बनारसी रेशम साड़ियों पर महाराष्ट्र पैठनी साड़ियों के रूपांकन बुनते हैं। वैसे, पारंपरिक बनारसी ज़री और कढ़वा बूटी साड़ियों से लेकर तनचोई सिल्क तक, इस सेल में रु. 1,000 से रु. कई वैरायटी 5,000 तक उपलब्ध हैं।

रेशम की बुनाई के लिए प्रसिद्ध बिहार के भागलपुर के कई बुनकर शादी के मौसम जैसे विशेष अवसरों पर पहने जाने वाले कुर्ते और पायजामा के लिए विशेष हस्तनिर्मित भागलपुर रेशम और मोदी जैकेट के कपड़े भी उपलब्ध कराते हैं। तमिलनाडु की शुद्ध ज़री के काम से बनी कांजीवरम साड़ियाँ भी महिलाओं को पसंद आ रही हैं। सोने और चांदी के धागों से बनी इस साड़ी को तैयार करने में कारीगरों को 30 से 40 दिन का समय लगता है, जिसकी कीमत 5 हजार से 2 लाख रुपये के बीच है।

बनारसी और जामदानी सिल्क, कांचीपुरम, बिहार टसर, भागलपुर सिल्क, गुजरात बंधिनी और पटोला, पश्चिम बंगाल बयलू, कांथा, हाथ से पेंट की हुई साड़ियाँ, ढाकाई जामदानी, पैठानी, एमपी चंदेरी, माहेश्वरी, अरी साड़ियाँ, शिबोरी और अजरक प्रिंट, हाथ से उभरा हुआ राजस्थान ब्लॉक मुद्रित, छत्तीसगढ़ कोसा एवं खादी रेशम की साड़ियाँ एवं ड्रेस मटेरियल उपलब्ध रहेंगे। मैसूर सिल्क साड़ियों के साथ-साथ क्रेप और जॉर्जेट सिल्क, बिहार से टसर सिल्क, आंध्र प्रदेश से उपाड़ा, उड़ीसा से मुनगा सिल्क भी सूरत के सिटीलाइट में महाराज अग्रसेन भवन में उपलब्ध हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)